जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः146 दिनांकः 08-05-2024बुधवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 संसदीय क्षेत्रों में मतदान संपन्न हुआ। चुनाव आयोग के मुताबिक, 64.08 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले।

अहमदाबाद में मतदान के बाद अपनी अंगुली की स्याही दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

तीसरे चरण में 11 राज्यों की 93 सीटों पर संपन्न हुआ 64.08 प्रतिशत मतदान..

असम में सबसे ज्यादा 75 प्रतिशत, महाराष्ट्र में सबसे कम 53.40 प्रतिशत; बिहार-छत्तीसगढ़ में 3 की मौत, मप्र के मुरैना, शिवपुरी, राजगढ़, बैतूल, रायसेन समेत कुछ जिलों से मतदान का बहिष्कार

दिग्गजों का भविष्य ईवीएम में बंद

-भिंड में फर्जी मतदान की बात पर दो पक्ष भिड़े; चंबल में दबंगों ने फूंका दलित का घर

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 संसदीय क्षेत्रों में मतदान संपन्न हुआ। चुनाव आयोग के मुताबिक, 64.08 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे ज्यादा 75 प्रतिशत, सबसे कम महाराष्ट्र में 53 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। सबसे ज्यादा असम में 75 प्रतिशत और सबसे कम महाराष्ट्र में 53.40 प्रतिशत वोटिंग हुई। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा के प्रहलाद जोशी, बसवराज बोम्मई सहित कई दिग्गजों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद हो गया है।

वोटिंग के दौरान कई जगहों पर छिटपुट घटनाएं सामने आई। कुछ जगहों पर लोगों ने वोटिंग का बहिष्कार भी किया। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैंडिडेट और भाजपा समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए।

आधी से अधिक सीटों पर मतदान संपन्न

पहले तीन चरण में 280 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों यानी लोकसभा की कुल सीटों में से आधी से अधिक पर मतदान संपन्न हो गया है। बाकी बचे चार चरणों में 263 संसदीय क्षेत्रों के लिए वोट डाले जाएंगे। गुजरात (25 सीट, क्योंकि सूरत सीट भाजपा निर्विरोध जीत चुकी है) और गोवा (2 सीट) समेत केंद्र शासित प्रदेशों दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव (1-1 सीट) में एक ही चरण में मतदान पूरा हुआ। तीसरे चरण में मतदान वाली अन्य सीटों में असम की 4, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 7, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, उत्तर प्रदेश की 10 और पश्चिम बंगाल की 4 सीटें शामिल हैं। इस चरण में ध्यान देने योग्य प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में गुजरात की गांधीनगर सीट और महाराष्ट्र की बारामती सीटें शामिल हैं। गांधीनगर से गृह मंत्री अमित शाह के सामने कांग्रेस की सोनल रमनभाई पटेल चुनाव लड़ रही हैं; और बारामती से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले अपने चचेरे भाई अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से मुकाबला कर रही हैं। तीसरे चरण में अन्य हॉट सीटें मप्र की विदिशा और गुना हैं। विदिशा से भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को टिकट दिया है। उनके सामने कांग्रेस उम्मीदवार भानु प्रताप शर्मा होंगे। वहीं गुना से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा के प्रत्याशी हैं। कांग्रेस ने यहां से राव यादवेंद्र सिंह को मैदान में उतारा है। इसके अलावा, कर्नाटक में धारवाड़ (भाजपा के प्रल्हाद जोशी बनाम कांग्रेस के विनोद आसुती), हावेरी (भाजपा के बसवराज बोम्मई बनाम कांग्रेस के आनंद स्वामी गद्दादेवरमथ) और असम में धुबरी (एनडीए के बदरुद्दीन अजमल बनाम भारत के रकीबुल हसन) भी ध्यान देने योग्य कुछ सीटें हैं।

दबंगों पर दलितों के घर जलाने के आरोप

मुरैना के बानमोर क्षेत्र के रांचोली गांव में जाटव समाज के लोग जब वोट डालने के लिए गए तब उन्हें पता लगा कि उनका वोट पहले ही डल चुका है। उनका आरोप है कि उन्होंने इस बात का विरोध किया तो दबंगों ने उनके घर जला दिए। मुरैना में कांग्रेस कैंडिडेट सत्यपाल सिकरवार ने पुलिस-प्रशासन पर वोटिंग डंप कराने के आरोप लगाए। मंत्री एंदल सिंह कंसाना के मुरैना गांव गाड़ी खेड़ा में लोगों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। राजगढ़ में शराब पीकर अभद्रता कर रहे पीठासीन अधिकारी को कलेक्टर ने निलंबित कर दिया। यहां पुलिस ने एक कांग्रेस नेता को नजरबंद भी किया है। वहीं, राजगढ़ के कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह का कहना है कि चाचौड़ा में एक बूथ पर 11 वोट डले और ईवीएम 50 बता रही थी। मुरैना, शिवपुरी, राजगढ़, बैतूल, रायसेन समेत कुछ जिलों से मतदान का बहिष्कार करने की भी सूचना है। यहां कुछ गांवों में सडक़ और नहर नहीं होने की बात कहते हुए वोट डालने से मना कर दिया। अफसरों के समझाइश के बाद कुछ वोटर मान गए। भोपाल के एक दक्षिण-पश्चिम में एक बूथ पर लकी ड्रॉ निकाला जा रहा है। इसमें विजेता को डायमंड रिंग दी जा रही है।

मप्र में 66.12 प्रतिशत वोटिंग

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मध्यप्रदेश की 9 सीटों पर शाम 6 बजे तक 66.12 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे ज्यादा वोट कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह के संसदीय क्षेत्र राजगढ़ में डाले गए। यहां 72.99 प्रतिशत वोटर्स ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की सीट विदिशा में 70.35 प्रतिशत तो केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की सीट गुना में 69.34 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे कम भिंड सीट पर 52.91 प्रतिशत मतदान हुआ। फिलहाल, चुनाव आयोग ने मतदान का फायनल आंकड़ा जारी नहीं किया है।

अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका

कोर्ट ने बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को 20 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। अभी केजरीवाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

दिल्ली शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई, लेकिन सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की बेंच बिना कोई आदेश दिए उठ गई। अब सुप्रीम कोर्ट बेंच गुरुवार या फिर अगले हफ्ते केजरीवाल की याचिका पर आदेश पारित कर सकती है।

हरियाणा में भाजपा सरकार पर संकट के बादल

तीन निर्दलीय विधायकों ने वापस लिया समर्थन, सभी कांग्रेस खेमे में

रोहतक (ईएमएस)। हरियाणा में भाजपा को झटका लगा है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भाजपा से समर्थन वापस ले लिया है। हरियाणा में उन्होंने कांग्रेस में को बाहर से समर्थन देने का एलान कर दिया है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के साथ रहने की बात कही है। तीन विधायक रोहतक पहुंचे हैं। यहां उन्होंने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। वहीं एक और निर्दलीय विधायक के बारे में समर्थन वापस लेने की चर्चा है। उनका अभी इंतजार है।

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान भी प्रेस वार्ता में मौजूद हैं। विधायकों ने नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार से अपना समर्थन वापस लेते हुए महंगाई बढऩे और बेरोजगारी का मुद्दा उठाया है।

सही समय पर सही फैसला लिया

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने तीनों विधायकों का स्वागत किया और कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि मौजूदा सरकार से लोगों का मोह भंग हो गया है और जनभावना को देखते हुए ही इन्होंने फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि यह ठीक समय पर ठीक फैसला लिया गया है। कांग्रेस के पक्ष में लहर चल रही है, इसमें इनका भी योगदान होगा कि ये बाहर से कांग्रेस का समर्थन करेंगे। इन्होंने जनभावनाओं की कदर करते हुए ये फैसला लिया है।

कश्मीर के कुलगाम में 2 आतंकी ढेर

लश्कर कमांडर बासित डार के मारे जाने की खबर, फायरिंग से घर में आग लगी, इसी में आतंकी छिपे थे

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकवादी को मार गिराया। अभी भी एनकाउंटर जारी है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जाएगी। एनकाउंटर में लश्कर के टॉप कमांडर बासित डार के मारे जाने की खबर हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने उस घर में ब्लॉस्ट किया, जहां आतंकी छिपे थे। इससे घर में आग लग गई। मारे गए दोनों आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि उन्हें रेडवानी पाईन इलाके में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सोमवार देर रात तलाशी अभियान शुरू किया था, जो मुठभेड़ में बदल गया। यहां लश्कर के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के टॉप कमांडर बासित डार के फंसे होने का शक था। बासित डार पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित है। वह कश्मीर में कई गैर स्थानीय और अन्य लोगों की हत्या में शामिल रहा है।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में हो सकती है बारिश और ओलावृष्टि

- देश कुछ राज्यों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इस वक्त देश में गर्मी अपने शबाब पर है। इस गर्मी से बचने लोग ठंडा पेय और मुंह ढंककर घर से बाहर निकल रहे हैं। देश के कई राज्यों में तो हीटवेव का जोर है। इससे बीमार लोगों से अस्पताल भरे पड़े हैं। वही मौसम भी अपने मिजाज बदल रहा है। देश कुछ राज्यों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है तो वहीं कुछ इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावनाएं है। वहीं मौसम विभाग ने 7 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड और विदर्भ के कुछ हिस्सों में ओले गिरने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात, विदर्भ, तमिलनाडु, राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हीटवेव का दौर जारी रहेगा। इसके अलावा गंगीय पश्चिम बंगाल में आंधी और बारिश भी हो सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 42 डिग्री तापमान के बीच आंधी और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में गर्मी के साथ 9 मई तक तेज हवाओं चलने की संभावना है। हालांकि, 11 और 12 मई को दिल्ली में गरज-चमक के साथ बारिश होने के भी आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक इस हफ्ते दिल्ली का अधिकतम तापमान 41-42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत में मध्यम बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है। 7 मई को असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं गंगीय पश्चिम बंगाल में 7 और 8 मई को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा 7 से 9 मई के बीच पूर्वी बिहार, पूर्वी झारखंड, ओडिशा, दक्षिणी छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दक्षिणी कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश और तूफान, बिजली और ओलावृष्टि हो सकती है।

वहीं पूर्वी और दक्षिणी मध्य प्रदेश, विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड और केरल में हल्की बारिश संभव है। अगले 24 घंटों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड और तमिलनाडु में एक या दो स्थानों पर लू चल सकती है लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

पश्चिम बंगाल बारिश से 12 लोगों की मौत

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य के विभिन्न जिलों में हो रही भारी बारिश से अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम ने सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त करते हुए बताया कि बिजली गिरने से पूर्व बर्धमान में 5 और पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं नादिया में दीवार ढहने से 2 और साउथ 24 परगना में पेड़ गिरने से 1 शख्स की मौत हो गई। मौसम विभाग ने 10 मई तक राज्य में इसी तरह आंधी-तूफान की आशंका जताई है। ममता बनर्जी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग पीडितों के परिवार को राहत और मुआवजा राशि देगा। पिछले कुछ दिनों से चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे कोलकाता समेत राज्य के कई जिलों में सोमवार को कई जिलों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। जिससे तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली।

राजस्थान के कई इलाकों में लू चलने की चेतावनी

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान के कई इलाकों में इनदिनों तेज गर्मी पड़ रही है। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तेज गर्म हवाएं यानी लू चलने की चेतावनी दी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य में अगले दो-तीन दिन अधिकांश स्थानों पर मौसम मुख्यतः शुष्क रहने और अधिकतम तापमान में 2-3 सेल्सियस बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इसके अनुसार 8-9 मई को जोधपुर, बीकानेर, जयपुर व भरतपुर, कोटा संभाग में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने का अनुमान है तथा इस दौरान लू चलने की आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार 10-11 मई को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 10 मई से ही उदयपुर, कोटा, जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं गरज व आंधी के साथ बारिश होने का अनुमान है। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 11 मई से तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने तथा लू से राहत मिलने की संभावना है। इसके अनुसार राज्य में 12 मई तक कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है।

नौकर जहांगीर करोड़ों की नगदी संभालता था, बदले में मिलते थे सिर्फ 15 हजार

रांची(ईएमएस)। ईडी ने झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। नौकर जहांगीर आलम ने प्रारंभिक पूछताछ में कबूल किया है कि वह कमीशन और रिश्वत से जुटाई रकम का केयरटेकर था, जिसके एवज में उसे महीने के करीब 15 हजार रुपये मिलते थे। बीती रात इनके ठिकानों पर देर रात तक चली रेड में जब्त नोटों की गिनती पूरी हो गई है। बरामद रकम 35 करोड़ 23 लाख है। ईडी झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम से इसका हिसाब पूछने की तैयारी कर रही है। एजेंसी की ओर से उन्हें जल्द ही समन किया जाएगा। ईडी ने सोमवार को आलमगीर आलम के पीएस के नौकर और उनके अन्य करीबियों के ठिकानों पर छापमेरी की थी।

संजीव कुमार लाल ने शुरुआती पूछताछ में इनकार किया था कि जहांगीर के फ्लैट से मिली रकम उनकी है, लेकिन पुख्ता सबूत और जहांगीर के बयान के बाद एजेंसी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। ईडी की रेड और पूछताछ के दौरान संजीव लाल बार-बार बेहोश होते रहे। छापेमारी में ईडी ने कई कागजात भी बरामद किए हैं, जिनमें बीडीओ की ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े ब्योरे हैं। इनमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की ओर से बीडीओ की पोस्टिंग के लिए की गई पैरवी का भी जिक्र है। इसके अलावा ईडी की ओर से राज्य के मुख्य सचिव को ग्रामीण विकास विभाग में गड़बड़ियों को लेकर एफआईआर दर्ज करने के लिए लिखी गई एक चिट्ठी भी मिली है। माना जा रहा है कि सरकार ने ईडी की चिट्ठी पर कार्रवाई करने के बजाय उसे लीक कर विभाग के अफसरों तक पहुंचा दिया।

जहांगीर को मंत्री आलमगीर ने ही अपने पीएस संजीव कुमार लाल के यहां नौकरी पर रखवाया था। इसके पहले कुछ दिनों तक उसने मंत्री के आवास पर भी काम किया। संजीव लाल ने उसके लिए रांची के गाड़ीखाना में सर सैयद रेजीडेंसी अपार्टमेंट में फ्लैट लिया था। संजीव लाल हर एक-दो दिन में उसे रुपयों का बैग या थैला देते थे, जिसे वह इस फ्लैट की आलमारियों में लाकर रखता था। ईडी ने संजीव लाल के आवास से भी 10 लाख और उनकी पत्नी की कंस्ट्रक्शन कंपनी के पार्टनर बिल्डर मुन्ना सिंह के आवास से 2 करोड़ 93 लाख रुपये जब्त किए हैं।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला, सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

25000 शिक्षकों की नियुक्तियां नहीं होंगी रद्द

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इसमें शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। यानी 25000 की नियुक्तियां रद्द नहीं होंगी। शिक्षकों सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि सीबीआई अपनी जांच जारी रखे, लेकिन कर्मचारी-उम्मीदवारों पर कोई एक्शन न ले। इससे पहले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मामले को व्यवस्थागत धोखाधड़ी बताया। कोर्ट ने कहा कि आज नौकरियों की कमी है। अगर जनता का भरोसा चला गया तो कुछ नहीं बचेगा।

कोर्ट ने फटकार लगाते हुए यह भी कहा कि राज्य सरकार के पास यह दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है कि डेटा उसके अधिकारियों ने मेनटेन किया था और इसकी उपलब्धता के बारे में पूछा गया था। बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। पिटीशन में मांग की गई है कि हाईकोर्ट के फैसले को रद्द किया जाए।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस साल 22 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों की 25 हजार 753 नियुक्तियों को अवैध करार दे दिया था। साथ ही इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12 प्रतिशत इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए थे। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया था।

लोकसभा का लगभग आधा चुनाव आज हो जाएगा पूरा, अब शेष है 263 सीटों पर मतदान

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के तीसरा चरण में आज 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 संसदीय क्षेत्रों में मतदान शुरू हो चुका है। शाम तक पहले तीन चरण में 280 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों यानी लोकसभा की कुल सीटों में से आधी से अधिक पर मतदान संपन्न हो चुका होगा। बाकी बचे चार चरणों में 263 संसदीय क्षेत्रों के लिए वोट डाले जाएंगे। गुजरात (25 सीट, क्योंकि सूरत सीट बीजेपी निर्विरोध जीत चुकी है) और गोवा (2 सीट) समेत केंद्र शासित प्रदेशों दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव (1-1 सीट) में आज एक ही चरण में मतदान पूरा होगा। तीसरे चरण में मतदान वाली अन्य सीटों में असम की 4, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 7, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, उत्तर प्रदेश की 10 और पश्चिम बंगाल की 4 सीटें शामिल हैं। इस चरण में ध्यान देने योग्य प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में गुजरात की गांधीनगर सीट और महाराष्ट्र की बारामती सीटें शामिल हैं। गांधीनगर से गृह मंत्री अमित शाह के सामने कांग्रेस की सोनल रमनभाई पटेल चुनाव लड़ रही हैं, और बारामती से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले अपने चचेरे भाई अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से मुकाबला कर रही हैं। तीसरे चरण में गुजरात (25 सीट) और गोवा (2 सीट) समेत केंद्र शासित प्रदेशों दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव (1-1 सीट) की सभी सीटों पर मतदान होगा। मतदान वाली अन्य सीटों में असम की 4, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 7, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, उत्तर प्रदेश की 10 और पश्चिम बंगाल की 4 सीटें शामिल हैं।

पतंजलि केस में विवादित बयान पर आईएमए प्रेसिडेंट को नोटिस, 14 मई तक जवाब मांगा

-सुप्रीम कोर्ट ने कहा

सेलिब्रिटी भी भ्रामक विज्ञापन के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पतंजलि भ्रामक विज्ञापन के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- अगर लोगों को प्रभावित करने वाले किसी प्रोडक्ट या सर्विस का विज्ञापन भ्रामक पाया जाता है तो सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।

सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने ये सुनवाई की।

ब्रॉडकास्टर्स को सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म दाखिल करना होगा

अदालत ने कहा कि ब्रॉडकास्टर्स को कोई भी विज्ञापन दिखाने से पहले एक सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म दाखिल करना होगा, जिसमें कहा जाएगा कि विज्ञापन नियमों का अनुपालन करते हैं। अदालत ने कहा कि टीवी ब्रॉडकास्टर्स ब्रॉडकास्ट सर्विस पोर्टल पर घोषणा अपलोड कर सकते हैं और आदेश दिया कि प्रिंट मीडिया के लिए चार हफ्ते के भीतर एक पोर्टल स्थापित किया जाए। कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों से जुड़ी 2022 की गाइडलाइन का भी जिक्र किया। इसकी गाइडलाइन 13 में कहा गया है कि किसी व्यक्ति को उस प्रोडक्ट या सर्विस के बारे में पर्याप्त जानकारी या अनुभव होना चाहिए जिसे वो एंडोर्स कर रहा है। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह भ्रामक नहीं है। बेंच ने उपभोक्ता की शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोसेस बनाने की जरूरत बताई।

राज्यों को भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई से क्यों रोका

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा- सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयुष अधिकारियों को भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ ड्रग एंड कॉस्मेटिक रूल, 1945 के रूल 170 के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए क्यों कहा। सुनवाई के दौरान कोर्ट का ध्यान केंद्र सरकार की ओर से 2023 में जारी एक पत्र की ओर ले जाया गया। इसमें रूल 170 के कार्यान्वयन पर प्रभावी रूप से रोक लगा दी गई थी। रूल 170 को 2018 में 1945 के नियमों में जोड़ा गया था। रूल 170 मे कहा गया है कि आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी दवाएं जिस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में मैन्युफैक्चर हो रही है वहां के लाइसेंसिंग अथॉरिटी के अप्रूवल के बिना विज्ञापन नहीं दिया जा सकेगा। इस नियम का उद्देश्य भ्रामक विज्ञापनों से निपटना था। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच को आज बताया गया कि रूल 170 को कई उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से एक्सपर्ट की सलाह लेने के बाद नियम की फिर से एग्जामिन करने को कहा है। चूंकि नियम पर अभी पुनर्विचार किया जाना बाकी है, इसलिए केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ इसे लागू करने से बचें। हालांकि, बेंच इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं थी। केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने अदालत को आश्वासन दिया कि रूल 170 पर अंतिम निर्णय जल्द से जल्द लिया जाएगा।

चुनाव आयोग ने 'एक्स को मुस्लिम आरक्षण विवाद पर भाजपा के एनिमेटेड वीडियो को हटाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स को मुस्लिम आरक्षण विवाद पर भाजपा की कर्नाटक इकाई द्वारा साझा किए गए एनिमेटेड वीडियो को हटाने का निर्देश दिया है। इस मामले में निर्वाचन आयोग की तरफ से पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली गयी है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से इस मुद्दे पर शिकायत दर्ज करवायी गयी थी।

कांग्रेस ने अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए कर्नाटक भाजपा प्रमुख बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत के साथ चुनाव आयोग से संपर्क किया था। कांग्रेस की तरफ से कहा गया था कि इस तरह के पोस्ट से कानून और व्यवस्था की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बीजेपी की तरफ से पोस्ट किए गए वीडियो में कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया गया था कि विपक्षी दल आरक्षण और फंड आवंटन में पिछड़े वर्गों पर मुसलमानों को तरजीह देते हैं।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने वीडियो में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए पुलिस और चुनाव आयोग के पास शिकायत की थी। जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस को आरक्षण और फंड आवंटन में पिछड़े वर्गों के बदले मुसलमानों का पक्ष लेते हुए दिखाया गया था।

भाजपा में शामिल हुई राधिका खेड़ा

रायपुर (ईएमएस)। कांग्रेस छोडऩे के बाद राधिका खेड़ा भाजपा में शामिल हो गई हैं। उन्होंने दिल्ली में एक्टर शेखर सुमन के साथ भाजपा की सदस्यता ली है। छत्तीसगढ़ में विवाद के बाद 5 मई को राधिका ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। इसके बाद सोमवार को उन्होंने सुशील आनंद शुक्ला समेत कई बड़े नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए थे। सोमवार देर शाम सुशील आनंद शुक्ला ने भी उन्हें मानहानि का नोटिस भेज दिया है। राधिका खेड़ा ने कहा कि, राहुल गांधी की यात्रा के दौरान मुझे सुशील आनंद शुक्ला ने शराब ऑफर की। भूपेश बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ छोड़ दो। राजीव भवन में मुझे बंद किया गया, मैं चीखती-चिल्लाती, गुहार लगाती रही। मुझे गालियां दी गईं। मैंने ये बात सचिन पायलट, भूपेश बघेल और जयराम रमेश को बताई, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

जयशंकर के बयान पर कनाडाई मंत्री मिलर का पलटवार

टोरंटो (ईएमएस)। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने भारत द्वारा नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से कथित तौर पर जुड़े तीन भारतीयों की हालिया गिरफ्तारी के संबंध में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की टिप्पणी का विरोध किया। कनाडाई मंत्री मिलर ने जयशंकर की उस टिप्पणी पर कहा कि कनाडा संगठित अपराध से जुड़े लोगों को देश में प्रवास की अनुमति देता है। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के आव्रजन मंत्री मिलर ने एक साक्षात्कार में जयशंकर की टिप्पणियों पर अपनी अस्वीकृति व्यक्त करते हुए कहा कि यह सटीक नहीं है।

जयशंकर ने नई दिल्ली की चेतावनियों के बावजूद संगठित अपराध से जुड़े भारत के व्यक्तियों का स्वागत करने के लिए कनाडा की आलोचना की। जयशंकर ने दावा किया कि कनाडा में पाकिस्तान समर्थक झुकाव वाले कुछ व्यक्तियों ने राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लॉबी बनाई है। जब आरोपी की वीज़ा स्थिति के बारे में पूछा गया, तब मंत्री मिलर ने चल रही पुलिस जांच के कारण विशिष्ट जानकारी देने से परहेज करते हुए कहा कि ऐसी पूछताछ रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) को निर्देशित की जानी चाहिए। जयशंकर ने मुक्त भाषण की आड़ में अतिवाद, अलगाववाद और हिंसा के समर्थकों को अनुमति देने के लिए टूडो सरकार की आलोचना की। जयशंकर ने कहा कि खालिस्तान समर्थक लोगों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का उपयोग कर रहा है, एक लॉबी बना रहा है और जस्टिन टूडो की अल्पमत सरकार के लिए वोट बैंक बन गया है।

पाकिस्तान में रह रहे सात आतंकी आकाओं की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर (ईएमएस)। बारामूला जिले में पाकिस्तान स्थित सात आतंकी आकाओं की संपत्तियां कुर्क कर दी गईं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि बारामूला में अतिरिक्त सत्र अदालत द्वारा पारित कुर्की आदेश प्राप्त होने के बाद आतंकी आकाओं की 13 कनाल जमीन कुर्क की गई। इसकी कीमत लाखों रुपये हैं। उन्होंने आतंकी आकाओं की पहचान शेखपोरा के शब्बीर अहमद सोफी, वारिपोरा पाईन के गुलाम नबी अलाई, वारपोरा बाला के गुलाम नबी शेख, रेशीपोरा औथूरा के शरीफ उद दीन चोपन और गुल्ला शेख, सलूसा के मोहम्मद रफीक खान और फ्रास्थर तिलगाम के अब्दुल हमीद पर्रे के रूप में की। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा की गई एक जांच के दौरान इन लोगों की संपत्ति की पहचान की गई।

जन हितैषी

400 पार ने बाँधी भाजपा की गले में घंटी

भारतीय जनता पार्टी चुनाव में हमेशा बड़े लक्ष्य तय करती है। मतदाताओं को भी बड़े-बड़े सपने दिखाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं सपने बड़े देखो और उन्हें पूरा करने का प्रयास करने पर ही सपने सच होते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए 400 पार का नारा और सीटों का लक्ष्य तय ?किया था। लोकसभा में यदि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को मिलकर 400 सीट मिल जाती हैं, तो इसका मतलब केवल सरकार बनने से नहीं था। इतनी ताकत भारतीय जनता पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल जाएगी। ऐसी ?स्थिति में वह भारतीय संविधान में आमूल चामूल परिवर्तन करने के लिए सक्षम हो जाएगी। संविधान में दो तिहाई बहुमत से ही मौलिक अधिकारों से संबंधित मामलों में संशोधन के अधिकार मिलते हैं। दो तिहाई बहुमत से दोनों सदनों की स्वीकृति मिलने पर संविधान के किसी भी खंड में संशोधन किया जा सकता है। जैसे ही भारतीय जनता पार्टी ने 400 पार का नारा दिया, उसके बाद से ही भाजपा की मुसीबतें से बढ़ना शुरू हो गई। भारतीय जनता पार्टी के कई सांसदों ने सार्वजनिक रूप से यह कहना शुरू कर दिया। इस बार 400 सीट मिलने के बाद संविधान में संशोधन किया जाएगा। यह बात किसी एक आदमी ने नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के चार सांसदों और भाजपा संगठन की ओर से खुले तौर पर कही। 400 पार का नारा सामने आने के बाद ईवीएम के विरोध का भी बड़ा तेज हो गया। यह आशंका लोगों के मन में बैठ गई, वर्तमान स्थिति में 400 सीटें पाना ?किसी के लिए संभव नहीं है। ऐसे में यदि भारतीय जनता पार्टी 400 पार का नारा लगा रही है, इसके पीछे कहीं ना कहीं ईवीएम और वीवी पेट के माध्यम से गड़बड़ी की जा सकती है। इसके बाद आंदोलन भी हुआ और जगह विरोध भी हुआ। संविधान संशोधन के मामले ने तूल पकड़ा। हिंदू राष्ट्र बनाने से लेकर आरक्षण खत्म करने का आरोप विपक्षी दलों ने लगाना शुरू कर दिया। भाजपा को अब इसी मामले में सफाई देनी पड़ रही है। वह आरक्षण को खत्म नहीं करेंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह को कहना पड़ा कि हमें स्पष्ट बहुमत था। हमने धारा 370 को खत्म करने और सीएए जैसे कानून बनाए हैं। हमारे पास बहुमत था इसलिए हम यह काम कर पाए। लेकिन 400 पार क्यों जरूरी है, इसका स्पष्टीकरण वह भी नहीं दे पाए। पिछले 10 वर्षों में गंगा जी और यमुना जी में बहुत पानी बह गया है। जब सरकार ने नोटबंदी लागू की थी, उसके बाद उत्तर प्रदेश के चुनाव हुए थे। सरकार ने यह कहना शुरू कर दिया था कि नोटबंदी को जनता ने समर्थन दिया है। इसलिए हम उत्तर प्रदेश में चुनाव जीते हैं। इसी तरह जीएसटी कानून में नागरिकों के ऊपर भारी टैक्स लगाए गए। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें लगातार बढ़ती रही। सरकार ने इसके बारे में भी कहा, यदि जनता नाराज होती, तो हमें वोट क्यों देती। भारत में 1952 से लेकर अभी तक जितने भी चुनाव हुए हैं। उनमें 1984 के लोकसभा चुनाव में जब इंदिरा गांधी की हत्या हुई थी। तब सहानुभूति लहर में कांग्रेस को लगभग 50 फ़ीसदी वोट मिले थे। लोकसभा में पहली बार 404 सीटों पर कांग्रेस की जीत हुई थी। 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी को 43.68 फीसदी मत और 352 सीट पर जीत ?मिली थी। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश का युद्ध जीता था।1980 के लोकसभा चुनाव में इं?दिरा की ?गिरफ्तारी को लेकर सहानुभू?ति की लहर चली थी। ?जिसमें कांग्रेस को 42.69 फीसदी वोट और 374 सीट ?मिली थी। इसके बाद कभी भी किसी भी राजनीतिक दल को इतना बड़ा बहुमत नहीं मिला। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव तथा इस दौरान हुए विधानसभा के चुनावों में विशेष रूप से हिंदी पट्टी में भारतीय जनता पार्टी का वोट शेयर बढ़ता रहा है। वोट शेयर बढ़ने का सबसे बड़ा कारण धार्मिक ध्रुवीकरण था। कुछ ऐसा माहौल बन गया था ?कि कांग्रेस खत्म हो रही है। भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ रही है। 2024 से लोकसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी इसी खेल को खेल कर 400 पार करना चाहती थी। संविधान संशोधन और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को दरकिनार करते हुए सरकार ने जो नया कानून बनाया। उसमें चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री एक केंद्रीय मंत्री और नेता विपक्ष को रखकर सरकार ने 2 चुनाव आयुक्त ?नियुक्त ?किये। चुनाव अधिसूचना जारी होने के 1 दिन पहले जिस तरह से दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की गई है। उसको बाद चुनाव आयोग और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर आम मतदाताओं के बीच में अ?विश्वास देखने को मिल रहा है। रही-सही कसर महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट के चलते मतदाताओं की नाराजी 2024 के चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। इन सारे हालातो को देखते हुए यही कहा जा सकता है। 400 पार का जो नारा भारतीय जनता पार्टी ने लगाया था। वह उनके गले में घंटी की तरह बंध गया है। इसका कितना फायदा होगा और कितना नुकसान होगा, इसका आकलन तो चुनाव परिणाम के बाद ही होगा। भाजपा हर चुनाव में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करती है। जिसके कारण नतीजे को लेकर सभी के बीच में रोमांच देखने को ?मिलता है। मतदान के दौरान मतदाताओं की खामोशी और मतदान से अरुचि को लेकर सभी भ्रमित हैं। मतदाता भ्रमित है किसे वोट करें, वहीं राजनीतिक दल भी चुनाव परिणामों को लेकर भ्रमित हैं।

आखिर किसका राम नाम सत्य होगा ?

नई लोकसभा के लिए चल रहे चुनाव के बाद किस पार्टी का राम नाम सत्य होगा ,ये कहना कठिन है ? इस समय देश में जनता से जुड़े मुद्दे नदारद हैं। सरकार की उपलब्धियों पर कोई चर्चा नहीं हो रही। केवल और केवल राम विमर्श के केंद्र में हैं। सत्तारूढ़ भाजपा राम की हिजगरी है और पूरे दमखम से दूसरे राजनीतिक दलों को राम विरोधी बता रही है। मजे की बात ये है कि राम जी खामोश के साथ मंदिर से ही तमाशा देख रहे हैं।

देश में तीसरे चरण का मतदान आसमान से बरसती आग के बीच हुआ है। पहले दो चरणों के मतदान से निराश सत्तारूढ़ दल ने मतदान का प्रतिशत बढ़ने के लिए अपने तमाम मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों,विधायकों और सांसदों के साथ ही पदाधिकारियों की कान -कुच्ची की थी लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा।देश के दो-दो मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने के बाद भी हालात बदलते नहीं दिखाई दे रहे । सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ असंतोष अब खुलकर प्रकट हो रहा है ,हालाँकि आज भी झारखंड में मंत्री के कारिंदों के घर से करोड़ों रुपया बरामद हो रहा है। मध्यप्रदेश में जब शिवराज सिंह चौहान की सरकार थी तब इसी तरह जल संसाधन विभाग के एक प्रमुख सचिव के घर से भी नोटों की बरामदगी हुई थी । एक मंत्री के बच्चे के स्कूली बस्ते से नोटों की बरसात सबने देखी थी ,लेकिन किसी का कुछ नहीं बिगड़ा। कम से कम मंत्री और मुख्यमंत्री तो जेल नहीं गए।

इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि सत्तारूढ़ दल की और से ये चुनाव संघ परिवार के बजाय मोदी परिवार लड़ रहा है । मोदी परिवार अचानक संघ परिवार से बड़ा हो गया है। पार्टी का संघ दीक्षित कार्यकर्ता भी अब अपने आपको संघ परिवार का सदस्य कहने के बजाय मोदी परिवार का सदस्य कहने में गर्व अनुभव करता है। अचानक बौने हुए संघ परिवार ने इसी हताशा की वजह से अगले साल होने वाले संघ की स्थापना के शताब्दी समारोह का आयोजन रद्द कर दिया है। अब संघी घर बैठे हैं या संघ छोड़कर मोशा के तलवे सहला रहे हैं। खुद संघ प्रमुख को समझ में नहीं आ रहा कि वे इस स्थिति में क्या करें ? संघ भाजपा के कांग्रेसीकरण को लेकर भी खिन्न है ,लेकिन करे तो क्या करे ?

इस समय देश चौराहे पर खड़ा है। मुद्दे नदारद हैं और चारों तरफ सिर्फ रामलीला दिखाई जा रही है । सवाल किये जा रहे हैं की किसने रामलीला देखी और किसने नहीं। किसने मंदिर जाकर लंबलेट होकर तस्वीर खिंचवाई और किसने नहीं।अब तिरंगे राष्ट्रिय ध्वज की नहीं केसरिया या भगवा ध्वज की फ़िक्र की जा रही है। राम को लेकर इतनी दुकानदारी तो त्रेता में भी नहीं की गयी थी । राम का जिस तरह से वनवास हुया था ,उसी तरह राजतिलक भी हो गया था। कोई हल्ला-हंगामा नहीं हुआ था । किसी को राम भक्त होने या न होने का प्रमाण-पत्र नहीं दिया गय। लेकिन कलियुग के मौजूदा कालखंड में राम मंदिर के बजाय भाजपा की मुठ्ठी में कैद हो गए हैं। राम चारित गाने वाले गोस्वामी तुलसीदास और सबसे बड़े राम रसिया हनुमान जी भौंचक हैं राम के नए ठेकेदारों को देखकर। उन्हें लगता है कि जैसे भारत का मतदाता दस साल पहले भ्रमित हो गया था वैसे ही कहीं राम जी भी भ्रमित न हो जाएँ।

अजीब बात ये है कि जो सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ बोलने की हिमाकत दिखा रहा है उसे लगातार जेल में रखने के पुख्ता बंदोबस्त किये जा रहे है। मिस्टर अरविंद केजरीवाल पर अब आरोप है कि उन्होंने आतंकी संगठन से 134 करोड़ रूपये लिए। राजभवन ने इस शिकायत की जांच एनआईए से करने के लिए खतो-किताबत की है। मुमकिन है कि आरोप सच हों और मुमकिन है कि न भी सच हो। मनगढ़ंत हों ताकि केजरीवाल को जेल से बाहर आने से रोका जा सके। भाजपा झारखण्ड से लेकर पूरे देश में आलमगीर आलम और उनके सचिवों तथा उनके नौकरों की तलाश में लगी है। ताकि चुनाव के बाकी चार चरणों में कुछ खेला किया जा सके।

कांग्रेसी से भाजपाई हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम की मानें तो चार जून के बाद कांग्रेस का विभाजन हो जाएगा। आचार्य जी को कांग्रेस की बड़ी चिंता है। कांग्रेस विभाजित होगी ,इसका इल्हाम उनके आराध्य ने शायद उन्हें कराया है। उन्हें ये पता नहीं है कि 4 जून के बाद संघ परिवार और मोदी परिवार का क्या होगा ?दोनों का विलय होगा या विभाजन, प्रमोद सर नहीं बता सकते ,क्योंकि वे सचमुच कुछ जानते ही नहीं है। वे अब राम से ज्यादा मोदी जी के भक्त हैं। मोदी भक्तों कि संख्या में इजाफा होने का मतलब ये बिलकुल नहीं है कि देश में राम जी की सेना भी बढ़ रही है। बल्कि राम जी चिंतित होंगे कि कहें मोदी जी के साथ उनके भक्तों कि मण्डली भी तो कहीं 4 जून के बाद झोला उठाकर हिमालय न निकल जाये।

आइए ये समय देश का भविष्य चुनने के लिए मतदान करने का है। मोदी जी को चुनने या न चुनने का नहीं। मोदी जी प्रधानमंत्री बनें या न बनें इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है । आखिर कोई तो प्रधानमंत्री बनेगा ही ? किसी और की किस्मत में भी राजयोग तो होगा ही। प्रधानमंत्री किसी दल का हो इससे कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है कि वो मोदी जी जैसा है या नेहरू जी जैसा। नायक होगा या अधिनायक ? राम-राम ही जपेगा या कभी जन-गण-मन की भी बात करेगा। देश को भी बदलेगा या अपने कपडे ही बदलता रहेगा ? राजधर्म को डपहचानेगा भी या नहीं ?

देश कि जनता को मंथरा दर्शन से बाहर निकलकर फैसला करना चाहिए। कुमति को सुमति में बदलना चाहिए ,क्योंकि नाना प्रकार की सम्पत्ति वहीं होती है जहाँ सुमति हो। जहाँ कुमति होती है वहाँ विपत्तियां होतीं है । 85 करोड़ भूखे होते हैं। 20 करोड़ वे लोग होते हैं जिन्हें मोदी जी और उनकी पार्टी भारतीय मानती ही नहीं। ये 20 करोड़ लोग आज हौआ बनाकर बहुसंख्यकक हिन्दुओं के सामने खड़े किये जा रहे हैं। इनके नाम पर हिन्दू महिलाओं को मंगलसूत्रों के लूटने का भय दिखाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यदि भाजपा सत्ता में न रही तो ये देश मिट जाएगा। बर्बाद हो जाएगा। जबकि हकीकत ये नहीं है । भाजपा 1980 में जन्मी है । सत्ता में दूसरी बार 2014 में आयी है। उसके जन्म से पहले भी ये देश था ,आगे भी रहने वाला है । इसलिए देश की फ़िक्र कीजिये व्यक्तियों की नहीं। (लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

अमेरिकी बैंक क्यों हो रहे दिवालिया?

अमेरिका में वर्ष 2023 में 3 बैंक (सिलिकन वैली बैंक, सिगनेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक) डूब गए थे एवं वर्ष 2024 में भी एक बैंक (रिपब्लिक फर्स्ट बैंक) डूब गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अमेरिकी केंद्रीय बैंक, यूएस फेडरल रिजर्व, द्वारा ब्याज दरों में की गई वृद्धि के चलते बैंकों के असफल होने की यह परेशानी बहुत बढ़ गई है।

सिलिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी और यह अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था और हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है। इसी प्रकार, सिगनेचर बैंक ने न्यूयॉर्क कानूनी फर्म एवं अचल सम्पत्ति कम्पनियों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर रखी थीं। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 11,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति थी और अमेरिका में हाल ही के समय में डूबने वाले बड़े बैंकों में चौथे स्थान पर आता है। 31 जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की कुल सम्पत्तियां 600 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं जमाराशि 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर थीं। न्यू जर्सी, पेनसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में बैंक की 32 शाखाएं थीं जिन्हें अब फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में जाना जाएगा क्योंकि फुल्टन बैंक ने इस बैंक की सम्पत्तियों एवं जमाराशि को खरीद लिया है।

पीयू रिसर्च संस्थान के अनुसार, चार शताब्दी पूर्व, वर्ष 1980 एवं वर्ष 1995 के बीच अमेरिका में 2,900 बैंक असफल हुए थे। इन बैंकों के पास संयुक्त रूप से 2.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति थी। इसी प्रकार, वर्ष 2007 से वर्ष 2014 के बीच अमेरिका में 500 बैंक, जिनकी कुल सम्पत्ति 95,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, असफल हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अमेरिका में सामान्यत: बैंक असफल नहीं होते हैं। परंतु, इस सम्बंध में अमेरिकी रिकार्ड कुछ और ही कहानी कह रहा है। वर्ष 1941 से वर्ष 1979 के बीच, अमेरिका में औसतन 5.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 1996 से वर्ष 2006 के बीच औसतन 4.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं एवं वर्ष 2015 से वर्ष 2022 के बीच औसतन 3.6 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकी बैंकों को 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ था। इसके पूर्व, वर्ष 1921 से वर्ष 1929 के बीच अमेरिका में औसतन 635 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। यह अधिकतर छोटे आकार के बैंक एवं ग्रामीण बैंक थे और यह एक ही शाखा वाले बैंक थे। अमेरिका में आई भारी मंदी के दौरान वर्ष 1930 से वर्ष 1933 के बीच 9,000 से अधिक बैंक असफल हुए थे। इनमें कई बड़े आकार के शहरों में कार्यरत बैंक भी शामिल थे और उस समय इन बैंकों में जमाकर्ताओं की भारी भरकम राशि डूब गई थी। वर्ष 1934 से वर्ष 1940 के बीच अमेरिका में औसतन 50.7 बैंक प्रतिवर्ष बंद किए गए थे।

अमेरिका में इतनी भारी मात्रा में बैंकों के असफल होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल है कि वहां छोटे छोटे बैंकों की संख्या बहुत अधिक होना है। बैंकों के ग्राहक बहुत पढ़े लिखे और समझदार हैं। बैंक में आई छोटी से छोटी परेशानी में भी वे बैंक से तुरंत अपनी जमाराशि को निकालने पहुंच जाते हैं, जबकि बैंक द्वारा इस राशि से खड़ी की गई सम्पत्ति को रोकड़ में परिवर्तित करने में कुछ समय लगता है। इस बीच बैंक यदि जमाकर्ता को जमाराशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है और इस प्रकार बैंक असफल हो जाता है। कई बार बैंकों द्वारा किए गए निवेश (सम्पत्ति) की बाजार में कीमत भी कम हो जाती है, इससे भी बैंकें अपने जमाकर्ताओं को जमाराशि का भुगतान करने में असफल हो जाते हैं। अभी हाल ही में अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी की गई है, जिससे इन बैंकों द्वारा अमेरिकी बांड में किये गए निवेश की बाजार में कीमत अत्यधिक कम हो गई है। अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैंकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व, का पूरा ध्यान केवल मुद्रा स्फीति को कम करने पर है एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग कम हो और मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाया जा सके। इसके चलते कई कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही है एवं देश में युवा वर्ग बेरोजगार हो रहा है।

पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है। अमेरिका में बैंकों के असफल होने की समस्या मुख्यतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की गई वृद्धि के कारण उत्पन्न हुई हैं। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उत्पादों की मांग को कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करने के स्थान पर बाजार में उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए ताकि इन उत्पादों की कीमत को कम रखा जा सके। प्राचीन भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके कारण मुद्रा स्फीति की समस्या भारत में कभी रही ही नहीं है। बल्कि भारत में उत्पादों की प्रचुरता के चलते समय समय पर उत्पादों की कीमतें कम होती रही हैं। ग्रामीण इलाकों की मंडियों में आसपास ग्रामों में निवास करने वाले ग्रामीण व्यापारी एवं उत्पादक अपने उत्पादों को बेचने हेतु एकत्रित होते थे, सायंकाल तक यदि उनके उत्पाद नहीं बिक पाते थे तो वे इन उत्पादों को कम दामों पर बेचना प्रारम्भ कर देते थे ताकि गांव जाने के पूर्व उनके समस्त उत्पाद बिक जाएं एवं उन्हें इन उत्पादों को अपने गांव वापिस नहीं ले जाना पड़े। इस प्रकार भी विभिन्न उत्पादों की भारतीय मंडियों में मांग से अधिक आपूर्ति बनी रहती थी। अत: उत्पादों की कमी के स्थान पर उत्पादों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता पर ध्यान दिया जाता था, इससे प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मुद्रा स्फीति का जिक्र ही नहीं मिलता है। दूसरे, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक मॉडल एवं नियमों को बहुत जटिल बना दिया गया है। इससे भी कई प्रकार की आर्थिक समस्याएं खड़ी हो रही है जिसका हल विकसित देश नहीं निकाल पा रहे हैं।(लेखक- प्रहलाद सबनानी/ ईएमएस)

पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बने

33 शब्दों में शपथ ली, कहा- दुश्मनों से भी रिश्ते सुधारेंगे; सेना ने 21 तोपों की सलामी दी

मॉस्को (ईएमएस)। व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। मॉस्को के ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस में पुतिन ने 33 शब्दों में शपथ ली। यह वही जगह है, जहां रूस के जार परिवार के 3 राजाओं (एलेक्जेंडर 2, एलेक्जेंडर 3 और निकोलस 2) की ताजपोशी हुई थी।

शपथ के बाद पुतिन ने कहा कि हम और मजबूत होंगे। हम उन देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करेंगे जो हमें दुश्मन समझते हैं। मैं जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा। रूस में 15-17 मार्च को हुए चुनाव में पुतिन को 88 प्रतिशत वोट मिले थे। उनके विरोधी निकोले खारितोनोव को सिर्फ 4 प्रतिशत वोट मिले थे। रूस में हुए पुतिन के शपथ ग्रहण समारोह का अमेरिका, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों ने बहिष्कार किया है।

पाकिस्तान : किसका दोस्त किसका दुश्मन ?

देश में लोकसभा चुनाव हो रहे हैं और पाकिस्तान की इंट्री न हो ऐसा बहुत कम ही देखा गया है। पाकिस्तान के चुनाव में भी प्रायः भारत विशेषकर कश्मीर का मुद्दा उठाया जाता है। दोनों जगह इसका मक़सद एक ही होता है कि जनता का ध्यान कथित राष्ट्रवाद में उलझाकर उसे रोज़गार,मंहगाई,शिक्षा,स्वास्थ्य तथा मूलभूत सुविधाओं के बारे में सोचने व चर्चा करने का मौक़ा ही न दिया जाये। इस बार स्वयं प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में पाकिस्तान को ज़ोर शोर से याद किया है। दरअसल पाकिस्तान में इमरान ख़ान सरकार के एक पूर्व मंत्री रहे चौधरी फ़वाद हुसैन ने यह कह दिया कि पाकिस्तान को राहुल गांधी का समर्थन करना चाहिए क्योंकि मोदी सरकार की नीतियां पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हैं । हालांकि फ़वाद उस हद तक भी नहीं गये जैसे कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका जाकर अब की बार ट्रंप सरकार का नारा तक लगवा दिया था। हालांकि चौधरी फ़वाद हुसैन के इस बयान पर राहुल गाँधी या कांग्रेस द्वारा कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गयी है। परन्तु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके इसी बयान को आधार बना कर बात का बतंगड़ खड़ा करने की कोशिश ज़रूर की है। वे चुनावी जनसभाओं में कहते फिर रहे हैं कि पाकिस्तान 'कांग्रेस के शहज़ादे' को प्रधानमंत्री बनवाना चाहता है। मोदी कहते हैं कि 'कांग्रेस मरी, तो पाकिस्तान रोया'। अब पाकिस्तान दुआ कर रहा है। कांग्रेस के शाही परिवार के शहज़ादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का इशारा पाते ही पूरे देश में भाजपाई सेनापति राहुल और कांग्रेस पर हमलावर हो उठे हैं और कांग्रेस को पाकिस्तान परस्त बताने की पुरज़ोर कोशिश होने लगी है। ऐसे में कांग्रेस व भाजपा व उनके नेताओं के पाकिस्तान से रिश्तों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना बेहद ज़रूरी है।

ग़ौर तलब है कि भारत पाकिस्तान के मध्य अब तक चार युद्ध हुये हैं। इनमें पहला युद्ध आज़ादी के फ़ौरन बाद 1948 में लड़ा गया जिसका केंद्र कश्मीर था। उसके बाद 1965 में दूसरा युद्ध हुआ जबकि 1971 में वह तीसरा ऐतिहासिक युद्ध हुआ जिसने विश्व का भूगोल बदल दिया। इसी युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए व बांग्लादेश नामक नये राष्ट्र का जन्म हुआ। यह तीनों ही युद्ध कांग्रेस के शासनकाल में लड़े गये। जबकि 1999 में एन डी ए के शासनकाल में अटल बिहारी वाजपई के प्रधानमंत्रित्व काल में ऑपरेशन विजय नामक कारगिल युद्ध, मई और जुलाई 1999 के बीच लड़ा गया। इस युद्ध में पाकिस्तान की सेना ने कश्मीरी उग्रवादियों के वेश में उनसे मिलकर नियंत्रण रेखा पार करने और भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने का दुस्साहस किया था। उपरोक्त सभी युद्ध में पाकिस्तान को भारतीय सेना के हाथों मुंह की खानी पड़ी थी। परन्तु पाकिस्तानी सरकार विशेषकर पाक सेना को 1971 का वह युद्ध भुलाये नहीं भूलता जिसने न केवल पाकिस्तान का नक़्शा बिगाड़ दिया बल्कि इसी युद्ध में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के समक्ष विश्व का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य आत्म समर्पण भी करना पड़ा था। अपनी उसी टीस को मिटने के लिये पाकिस्तान आज तक भारत विरोधी साज़िशें यहाँ तक कि भारत में आतंकवाद तक को प्रायोजित करता रहता है। लिहाज़ा यह प्रचारित करना कि पाकिस्तान कांग्रेस का हितैषी है सरासर दुष्प्रचार के सिवा और कुछ नहीं।

परन्तु इसी सन्दर्भ में भाजपा नेताओं विशेषकर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी के पाकिस्तान के प्रति उदारतापूर्ण बर्ताव की बात करना भी ज़रूरी है। याद कीजिये जून, 2005 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी पाकिस्तान के संस्थापक नेता क़ायदे आज़म मोहम्मद अली जिन्ना की कराची स्थित मज़ार पर श्रद्धांजलि देने गये थे। उसी समय वे पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री लियाक़त अली ख़ान की मज़ार पर भी श्रद्धांजलि देने गये थे। इस दौरान आडवाणी ने जिन्ना को धर्मनिरपेक्ष नेता बताते हुए कहा था कि वह एक अलग शख़्सियत थे तथा उन्होंने इतिहास बनाया था। उस समय संघ व भाजपा में तो आडवाणी के इस क़दम का विरोध ज़रूर हुआ था मगर कांग्रेस ने चुनाव में इसे मुद्दा कभी नहीं बनाया गया।

उसके बाद मई 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने उस समय उन्होंने दक्षेस देशों के प्रमुखों को अपने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ भी भारत आए थे । उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शरीफ़ को उनकी मां के लिये एक शॉल भेंट किया था । शरीफ़ जब वह बेशक़ीमती शॉल लेकर पाकिस्तान पहुंचे तो उनकी बेटी मरियम शरीफ़ ने इस तोहफ़े के लिए मोदी का शुक्रिया अदा किया। मरियम ने ट्विटर पर लिखा, मेरी दादी के लिए इतना बढिया शॉल गिफ़्ट करने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। मेरे पिता ने खुद अपने हाथों से यह तोहफ़ा दादी को दिया। इस के फ़ौरन बाद जून 2014 के प्रथम सप्ताह में ही नवाज़ शरीफ़ ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए तोहफे में रिटर्न गिफ़्ट के रूप में एक क़ीमती साड़ी भेजी। उस समय मोदी ने भी ट्वीट किया था - कि नवाज़ शरीफ़ ने मेरी मां के लिए शानदार सफ़ेद साड़ी भेजी है। मैं उनका आभारी हूं। जल्द ही मैं साड़ी अपनी मां के पास भेज दूंगा।और उसी दिन देर शाम तक शरीफ़ का ये क़ीमती तोहफ़ा मां हीराबेन तक पहुंच भी गया था । इस तोहफ़े के लिए नरेंद्र मोदी ने उस समय प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ का शुक्रिया भी अदा किया था। पड़ोसी देश के साथ आत्मीयता और क़ीमती तोहफ़ों के लेनदेन की ऐसी मिसाल कांग्रेस के शासनकाल में तो कभी नहीं सुनाई दी?

नरेंद्र मोदी व शरीफ़ के बीच आत्मीयता के रिश्ते की यही एक कहानी नहीं। याद कीजिये 25 दिसंबर, 2015 को जब वो पहली बार नवाज़ शरीफ की पोती के निकाह में शामिल होने के लिये बिना किसी पूर्व घोषित कार्यक्रम के पाकिस्तान पहुंच गये थे। उस दिन वो शरीफ की पोती की निकाह में भी शामिल हुए थे। उस समय मोदी ने नवाज़ शरीफ को अफ़ग़ानिस्तानी गुलाबी साफ़ा भी तोहफ़े में दिया था, जिसे शरीफ़ ने उसी समय विवाह समारोह में पहना भी था। तो क्या आडवाणी या मोदी का पाकिस्तान के प्रति दोस्ताना व सद्भावपूर्ण रवैया सौहार्द बनाने की कोशिश माना जाये और पाकिस्तान की नज़रों में हमेशा खटकने वाली कांग्रेस पार्टी को पाकिस्तान परस्त ? 2015 में अमित शाह बिहार चुनाव के दौरान कहते फिरते थे कि यदि लालू -नितीश का महागठबंधन चुनाव जीता और भाजपा हारी तो पाकिस्तान में पटाख़े फूटेंगे। आज वही नितीश कुमार भाजपा के साथ हैं तो क्या अब नितीश की जीत पर पाकिस्तान में पटाख़े नहीं फूटेंगे ? अवसरवादिता और राजनैतिक शातिरपने की भी आख़िर कोई इन्तेहा होती है ? सच तो यह है कि कांग्रेस व भाजपा के नेताओं के पाकिस्तान से रिश्तों के रिकार्ड ख़ुद इस बात के गवाह है कि पाकिस्तान किसका दोस्त है और किसका दुश्मन ? (लेखक - तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8000

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध,खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन,सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश,विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय,घेरा-3
15. आंचल,पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर,पिता का घर-3
24. नवीन,नया,नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक,न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी,चित्त,इच्छा-2
2. करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर,विदुषक-4
5. दुनिया,जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव,हरदम-2
11. जन्म,पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी,नलका-2
18. वश,अधीन-2
19. परिणाम,हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7999 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत की पहली हाईब्रिड पिच धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में लगी

धर्मशाला (ईएमएस)। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडयम में भारत की पहली 'हाईब्रिड पिच बिछायी गयी है। सोमवार को एक भव्य समारोह में इसका अनावरण किया गया। इस समारोह में आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर व हाइब्रिड पिच निर्माता 'एसआईएसग्रास' कंपनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक पॉल टेलर भी शामिल हुए। हाईब्रिड पिच को किसी अन्य स्थल पर तैयार करने के बाद जिस भी स्टेडियम में जरुरत हो बिछाया जाता है। ये काफी टिकाउ होती हैं।

इस अवसर पर धूमल ने कहा, 'इंग्लैंड में लाड्र्स और द ओवल जैसे मैदानों में सफलता के बाद हाईब्रिड पिचों के इस्तेमाल से भारत में भी क्रिकेट और आगे बढ़ेगा। प्राकृतिक टर्फ और कृत्रिम फाइबर से बनने वाली हाईब्रिड पिच अधिक समय तक चलती है। इससे मैदानकर्मियों पर पिच को तैयार करने का काम भी कम होगा। इसके अलावा खेलने के हालातों के स्तर को बरकरार करने में भी अधिक परेशानी नहीं होगी। इस पिच में केवल पांच फीसदी कृत्रित फाइबर होता है जिससे यह तय होता है कि क्रिकेट के लिए जरूरी प्राकृतिक विशेषताओं को बचाया जा सके। वहीं टेलर ने इस प्रतिष्ठित परियोजना में साझेदारी के लिए एचपीसीए के प4ति आभार जताया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चौथे टी20 में भी बांग्लादेश को हराया

4-0 से बढ़त मिली

सिलहट (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्षा बाधित चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस नियम के आधार पर 56 रनों से हरा दिया। बारिश के कारण इस मैच में केवल 14 ओवर ही हुए। इस प्रकार भारतीय टीम ने सीरीज में 4-0 की बढ़त हासिल की है। भारतीय की ओर इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 39 जबकि रिचा घोष ने 24 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना 22 और डी हेमलता 22 ने भी अहम पारियां खेलीं। इस प्रकार भारतीय टीम ने छह विकेट पर 122 रन बनाए। ऐसे में बांग्लादेश को जीत के लिए 125 रन का लक्ष्य मिला पर उसके बल्लेबाज भारतीय टीम के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये दीप्ति शर्मा ने 13 रन पर दो विकेट लिए जबकि आशा शोभना ने 18 रन पर दो विकेट और राधा यादव ने 12 रन पर एक विकेट लिया। इस प्रकार बांग्लादेश की टीम सात विकेट पर 68 रन ही बना पायी।

बांग्लादेश की ओर से सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर ने 21, रूबिया हैदर ने 13 और शोरिफा खातून ने नाबाद 11 रन बनाये। इसके अलावा अन्य खिलाड़ी दो अंकों तक नहीं पहुंच पायीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश की शुरुआत काफी धीमी रही और टीम पावर प्ले के चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन ही बना सकी। सलामी बल्लेबाज मुर्शीदा खातून 01 का विकेट शुरु में ही दीप्ति ने ने लिया। दिलारा 25 गेंद में दो चौकों से 21 रन की धीमी पारी खेलने के बाद दीप्ति की गेंद पर आउट हुईं। एक गेंद बाद रूबिया रन आउट हो गईं।

शोभना ने कप्तान निगारा सुल्ताना 01 को पगबाधा किया जिससे चार गेंद के भीतर बांग्लादेश का स्कोर एक विकेट पर 38 रन से चार विकेट पर 39 रन हो गया। राधा ने इसके बाद रितु मोनी 01 जबकि शोभना ने शोर्ना अख्तर 05 को आउट कर दिया।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम की जर्सी लॉन्च हुई

मुम्बई (ईएमएस)। अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की जर्सी लॉन्च हो गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस जर्सी को लॉन्च करने का एक वीडियों भी सोशल मीडिया पर डाला है। इसमें भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आ रहे हैं। वहीं भारतीय टीम ने भी इस वीडियो को रीपोस्ट किया। वीडियो के साथ लिख है- एक जर्सी। एक राष्ट्र। पेश है नई टीम इंडिया टी20 जर्सी। आगामी आईसीसी शोपीस इवेंट के लिए भारत की जर्सी में वी-आकार की गर्दन पर तिरंगे रंग की रेखाएं और केसरिया रंग की आस्तीन पर क्लासिक एडिडास धारियां होंगी। जर्सी के केंद्र में इंडिया लिखा होने के साथ आगे की तरफ नीला रंग शामिल किया गया है।

बीसीसीआई ने गत सप्ताह ही इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम भी घोषित कर दी थी। भारत को आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है। भारतीय टीम इसमें अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा, इसके बाद 9 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। इसके बाद भारत क्रमशः 12 और 15 जून को अमेरिका और कनाडा से खेलना है।

आईपीएल में एक शतक और लगते ही बनेगा सबसे अधिक शतकों का रिकार्ड

अब तक 12 शतक लगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल में इस बार जिस प्रकार से शतक लग रहे हैं। उससे साफ है कि शतकों के मामले में एक नया रिकार्ड बनेगा। आईपीएल में मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में सूर्यकुमार यादव के शतक के साथ ही इस सत्र में अब तक 12 शतक लग गये हैं। इससे पहले 2023 सत्र में इतने शतक लगे थे। वहीं एक और शतक के साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक शतक का नया रिकॉर्ड बन जाएगा क्योंकि सत्र में अभी 19 मैच और होने हैं। सनराइजर्स के खिलाफ 102 रन की पारी खेलने के साथ ही सूर्यकुमार ने भी एक उपलब्धि हासिली की है। वह ऐसे दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस की ओर से दो शतक बनाए हैं। उनसे पहले केवल रोहित शर्मा ने यह रिकार्ड बनाया था। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 51 गेंद पर 102 रन बनाये। यह आईपीएल 2024 में 12वां मौका है, जब किसी बल्लेबाज ने शतकीय पारी खेली है।

सूर्यकुमार ने टी20 क्रिकेट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए चौथा शतक बनाया है। इस नंबर पर उनसे ज्यादा शतक सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल 5 ही लगा सके हैं। डेविड मिलर 4 शतक के साथ बराबरी पर हैं। सूर्यकुमार ने शतकीय पारी के दौरान तिलक वर्मा 37 के साथ 143 रन की नाबाद साझेदारी की। यह मुंबई इंडियंस के लिए चौथे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है। आईपीएल की बात करें तो ये लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सूर्या-तिलक महज एक रन से रिकॉर्ड तोड़ने से दूर रह गए। 144 रन की साझेदारी का यह रिकॉर्ड गुरकीरत सिंह और शिमरन हेटमायर के नाम है। सूर्या का यह टी20 क्रिकेट में ओवरऑल छठा शतक है। भारतीय बल्लेबाजों में सबसे अधिक टी20 शतक बनाने के मामले में सूर्या संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं.

टी20 विश्वकप में नजर नहीं आयेंगे आईपीएल में धूम मचाने वाले नरेन

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल 2024 सत्र में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से धूम मचाने वाले वेस्ट इंडीज के सुनील नरेन आगामी टी20 विश्वकप कप में नजर नहीं आयेंगे। नरेन से विश्वकप में खेलने के लिए इंडीज टीम के कप्तान रोवमन पॉवेल ने संन्यास से वापसी की अपील की थी पर इस क्रिकेटर ने ये कहते हुए इंकार कर दिया कि ये स्थान किसी युवा क्रिकेटर को मिलना चाहिये। नरेन ने आईपीएल में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं जबकि14 विकेट भी लिए हैं। वह आईपीएल में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में तीसरे नंबर पर हैं और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में छठे नंबर पर है। नरेन इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने अब इस टी20 लीग में 41.90 की औसत और 183.66 स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने 14 विकेट भी लिए हैं। अब तक केवली 5 गेंदबाज ही उनसे ज्यादा विकेट ले पाए हैं इसके बाद भी वह वेस्टइंडीज की टीम में नहीं रहेंगे।

पॉवेल ने नरेन को मनाने की बहुत कोशिश की पर वह नहीं माने। पॉवेल ने कहा कि नरेन को वेस्टइंडीज की विश्व कप टीम का हिस्सा बनना चाहिये। पॉवेल ने कायरन पोलार्ड सहित कई दिग्गजों से भी अपनी बात नरेन तक पहुंचाई पर नरेन ने साफ इंकार कर दिया और कहा कि उन्होंने बहुत सोच समझकर संन्यास लिया है और अब वे इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी नहीं करेंगे। सुनील नरेन ने नवंबर 2023 में ही संन्यास का ऐलान किया है। 34 साल के सुनील नरेन ने वेस्टइंडीज के लिए 6 टेस्ट, 65 वनडे और 51 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2019 में खेला था। इसके बाद से वह वेस्टइंडीज के लिए कभी नहीं खेले हैं. हालांकि, आईपीएल समेत दुनिया की तमाम टी20 लीग में वह खेलते रहे हैं। उन्होंने अब तक 509 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने इन मैचों में 549 विकेट लिए हैं और 4195 रन भी बनाए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में गिरावट रही। निवेशकों ने विभिन्न सेक्टरों में शेयर बेचे। इस दबाव के कारण ही बेंचमार्क इंडेक्स नीचे आने लगा। आज कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 3 फीसदी तक की गिरावट रही। इसके अलावा व्यापक बाजारों में भी गिरावट आई। ये 1.9 फीसदी और 1.65 फीसदी नीचे आये।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 383.69 अंक करीब 0.52 फीसदी टूटकर 73,511.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,259.26 और 74,026.80 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 140.20 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 22,302.50 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,232.05 और 22,499.05 के बीच कारोबार हुआ।

आज कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स के 30 शेयरों में, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये। इसमें इनमें 1 से 4 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर, एचयूएल, टेक एम, नेस्ले इंडिया, टीसीएस, आईटीसी, कोटक बैंक और इंफोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहे। इन शेयरों की तेजी से शेयर बाजार को कुछ बल मिला।

वहीं गत दिवस बेंचमार्क सेंसेक्स एक सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद लगभग सपाट बंद हुआ। हाई वेल्युएशन से संबंधी चिंताओं के बीच निवेशकों ने इंडेक्स हैवीवेट में मुनाफावसूली की जिसके चलते बाजार सोमवार को लगभग सपाट रहा।

वहीं आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले खराब संकेतों की वजह से हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली।

सेबी ने ट्रेडिंग का समय बढ़ाने का प्रस्ताव ?किया खा?रिज

- एनएसई ने दिया था डेरिवेटिव मार्केट में समय बढ़ाने का प्रस्ताव

मुंबई (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को डेरिवेटिव सेगमेंट में कारोबार का समय बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था मगर बाजार नियामक ने प्रस्ताव पर ब्रोकरों के एकमत नहीं होने की वजह से उसे खारिज कर दिया। एनएसई ने बाजार नियामक से डेरिवेटिव मार्केट को अतिरिक्त तीन घंटे शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक खोलने का अनुरोध किया था। एनएसई का तर्क था कि इससे बाजार भागीदारों को देर शाम वैश्विक संकेतों का आकलन करने और उसके हिसाब से खरीद-बिक्री करने में मदद मिलेगी। लेकिन शेयर ब्रोकरों में इस पर सहमति नहीं थी। ब्रोकरों का कहना था कि इससे उनकी लागत बढ़ जाएगी और अतिरिक्त तकनीक की भी जरूरत होगी। एनएसई के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने इस प्रस्ताव को फिलहाल ठंडे बस्ते में डालने की पुष्टि की। एनएसई के नतीजों पर विश्लेषकों के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कहा ?कि फिलहाल कारोबार का समय बढ़ाने की कोई योजना नहीं है क्योंकि ब्रोकरों की ओर से इस बारे में अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने की वजह से सेबी ने हमारा आवेदन खारिज कर दिया। इसलिए मार्केट का समय बढ़ाने की योजना फिलहाल स्थगित कर दी गई है।' इस साल की शुरुआत में शेयर ब्रोकरों के निकाय एसोसिएशन ऑफ नैशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स ऑफ इंडिया ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि बंबई स्टॉक एक्सचेंज ब्रोकर्स फोरम अलग सेगमेंट के पक्ष में नहीं था। बाजार नियामक ने बाजार में कारोबार का समय बढ़ाने के साथ ही अन्य मुद्दों पर ब्रोकरों के बीच आम राय बनाने के लिए ब्रोकर्स इंडस्ट्री स्टैंडर्ड फोरम का गठन किया था जिसमें ब्रोकरों के तीन संगठन बतौर सदस्य शामिल थे। सूत्रों के अनुसार आईएसएफ ने पिछले महीने प्रस्ताव पर अपनी टिप्पणियां सौंपी थीं। उसने न तो बाजार का समय बढ़ाने की जरूरत की पुष्टि की और न ही इससे जुड़ी चुनौतियों से इनकार किया। बाजार नियामक ने एक्सचेंज के परिचालन, सौदों का निपटान, पोजीशन की निगरानी और जोखिम प्रबंधन के मसले पर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर कई ब्रोकरों ने छोटे निपटान चक्र, ब्लॉक मैकेनिज्म तथा ग्राहकों के पैसों के उपयोग सहित अन्य नियामकीय बदलावों के बीच अतिरिक्त लागत और अनुपालन पर चिंता जताई थी। ब्रोकरों की राय थी कि कारोबार का समय बढ़ाने से तकनीक और मानव संसाधन पर अतिरिक्त निवेश करने की जरूरत होगी और संभवतः यह उतना लाभकारी नहीं होगा। एनएसई की इरादा विस्तारित घंटों में केवल इंडेक्स डेरिवेटिव में ट्रेडिंग की अनुमति देने की थी।

निर्यात से रोक हटने के बाद प्याज के थोक भाव में आई तेजी

मुंबई (ईएमएस)। पिछले सप्ताह केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद प्याज के थोक भाव में तेजी दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि प्याज के निर्यात की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है। ऐसे में तात्कालिक रूप से भले ही प्याज के भाव बढ़े हैं लेकिन आगे बहुत अधिक कीमत बढ़ने की संभावना नजर नहीं आ रही है। इसका कारण यह है कि निर्यात एक तय भाव से कम पर नहीं किया जा सकेगा। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह 3 मई को प्याज के निर्यात से प्रतिबंध हटाने की घोषणा की थी। इस दिन महाराष्ट्र की प्याज मंडी लासलगांव (विंचुर) में प्याज के थोक भाव 900 से 1,875 रुपए थे, जो बढ़कर 1,000 से 2,400 रुपए क्विंटल हो गए। इसी तरह मुंबई की वाशी मंडी में इस दौरान प्याज के थोक भाव 875-2,000 रुपए की तुलना में बढ़कर 1,250-2,750 रुपए क्विंटल हो गए। दिल्ली की आजादपुर मंडी में इस अवधि में प्याज के थोक भाव 875-2,000 रुपए से बढ़कर 2,750 रुपए क्विंटल दर्ज किए गए। महाराष्ट्र के एक प्याज कारोबारी ने बताया कि निर्यात पर रोक हटने के फैसले के बाद प्याज के भाव बढ़े हैं लेकिन प्याज की कीमतों में आई यह तेजी आगे लंबे समय तक जारी रहने की संभावना नहीं है क्योंकि निर्यात के लिए 550 डॉलर प्रति टन की सीमा लगा दी गई है यानी इससे कम भाव पर निर्यात नहीं किया जा सकेगा। इस भाव पर यूरोप व खाड़ी देशों को निर्यात संभव है लेकिन बांग्लादेश व कोलंबो जैसे देशों को निर्यात संभव नहीं है क्योंकि इन देशों को भारतीय प्याज के ज्यादा दाम चुकाने पड़ेंगे।

अनन्या बिड़ला म्यूजिक से ब्रेक लेकर संभालेंगी पापा का कारोबार

- अनन्या ने सोशल मी?डिया पर पोस्ट शेयर कहा- जीवन का सबसे मुश्किल फैसला

मुंबई (ईएमएस)। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की सबसे बड़ी बेटी अनन्या बिड़ला ने म्यूजिक से ब्रेक लेकर पापा के कारोबार को संभालने का फैसला ?किया है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए शेयर की और एक इमोशनल पोस्ट भी लिखा। उनका ये पोस्ट पढ़ फैंस काफी दुखी हैं। अनन्या ने बॉलीवुड में भी काम किया था तो बॉलीवुड से भी उनके इस डिसीजन को लेकर रिएक्शन आ रहे हैं। अनन्या ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- दोस्तों, ये मेरे लिए सबसे मुश्किल डिसीजन था। अब मैं उस स्टेज पर पहुंच चुकी हूं जहां पर मेरे लिए बिजनेस करना, उसे आगे बढ़ाना और उसके साथ सिंगिंग करना मुश्किल हो गया है। मेरे लिए बैलेंस बनाना लगभग नामुमकिन हो गया है। अब तक मैंने जितने भी गाने रिलीज किए हैं उन्हें इतना प्यार देने के लिए आप सभी का शुक्रिया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हम अपने ही लोगों द्वारा बनाए गए अंग्रेजी गानों की तारीफ करेंगे. क्योंकि हमारे देश में टैलेंट की कोई कमी नहीं है। इंस्टा पर ये पोस्ट शेयर करते हुए अनन्या बिड़ला ने लिखा- कभी न भुला पाने वाली यादें, इतने सारे प्यार के लिए आप सभी का शुक्रिया। सिंगर द्वारा ये पोस्ट लिखते ही उनके सपोर्ट में बॉलीवुड समेत कई सारे फैंस उतर आए और इमोशनल भी हो गए। कई लोग तो उनके इस डिसीजन से शॉक्ड भी नजर आए।

जयप्रकाश एसोसिएट्स ने नहीं चुकाया 4,616 करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। संकटग्रस्त जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) ने मूलधन व ब्याज राशि सहित 4,616 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान नहीं किया है। जेएएल ने सोमवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने 30 अप्रैल को 1,751 करोड़ रुपये की मूल राशि और 2,865 करोड़ रुपये के ब्याज के भुगतान में चूक की है। जेएएल ने कहा ?कि कंपनी का कुल उधार 29,805 करोड़ रुपये है, जिसे 2037 तक चुकाया जाना है। इसमें से 30 अप्रैल 2024 तक 4,616 करोड़ रुपये बकाया था। ये कर्ज विभिन्न बैंकों से लिया गया है। कंपनी ने कहा कि 29,805 करोड़ रुपये की कुल उधारी में से 18,955 करोड़ रुपये प्रस्तावित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसके लिए सभी विधिवत अनुमोदित एक व्यवस्था योजना को हितधारकों की मंजूरी मिल गई है, हालांकि यह राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) की मंजूरी के लिए लंबित है। कंपनी ने कहा कि किसी भी स्थिति में सम्पूर्ण ऋण पुनर्गठन के अधीन है। जेएएल ने कहा ?कि एक जिम्मेदार उधारकर्ता के तौर पर कंपनी उधारी को कम करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। सीमेंट व्यवसाय के प्रस्तावित विनिवेश और विचाराधीन पुनर्गठन के बाद, संशोधित पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर उधारी लगभग शून्य हो जाएगी।

लेनदेन का ब्योरा हटाकर ई-रुपए को बनाया जा सकता है गोपनीयः शक्तिकांत दास

- कानून या टेक्नोलाजी से दूर की जा सकती है ई-रुपए की गोपनीयता से जुड़ी चिंता

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय ?रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लेनदेन के ब्योरे को स्थायी रूप से हटाकर ई-रुपये या सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को गोपनीय बनाया जा सकता है। इससे यह कागजी मुद्रा के समान हो जाएगी। हाल ही में आयो?जित बीआईएस इनोवेशन सम्मेलन में दास ने कहा कि सीबीडीएस के ऑफलाइन हस्तांतरण को लेकर भी काम किया जा रहा है। 2022 के अंत में सीबीडीसी की लॉन्चिंग के साथ इसकी गोपनीयता को लेकर चिंता बनी हुई है। कुछ लोगों का कहना है कि सीबीडीसी से लेनदेन का रिकार्ड तैयार हो जाता है, जबकि कागजी मुद्रा के लेनदेन में गोपनीयता बनी रहती है। ?रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि कानून या टेक्नोलाजी से ई-रुपये की गोपनीयता से जुड़ी चिंता दूर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अभी भी खुदरा लेनदेन में यूपीआई को प्राथमिकता दी जा रही है लेकिन आने वाले समय में यह स्थिति बदल सकती है। बीआईएस इनोवेशन समिट में बोलते हुए दास ने कहा कि भारत अपने वित्तीय समावेशन लक्ष्यों में मदद के लिए प्रोग्रामेबिलिटी फीचर पेश करने के साथ-साथ सीबीडीसी को ऑफलाइन मोड में हस्तांतरणीय बनाने पर भी काम कर रहा है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि 2022 के अंत में सीबीडीसी की शुरुआत के बाद से गोपनीयता पहलू के बारे में चिंताएं रही हैं, कुछ लोगों का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक प्रकृति एक निशान छोड़ देगी जहां सभी मुद्रा का उपयोग किया गया है, नकदी के विपरीत जो गुमनामी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मूल सिद्धांत यह है कि सीबीडीसी में नकदी के समान ही गुमनामी की डिग्री हो सकती है, न अधिक और न कम। अतीत में दास और उनके डिप्टी टी रबी शंकर सहित आरबीआई अधिकारियों ने कहा है कि प्रौद्योगिकी गोपनीयता पर ऐसी चिंताओं का समाधान प्रदान करती है। इस बीच दास ने दोहराया कि भारत सीबीडीसी को ऑफलाइन मोड में भी हस्तांतरणीय बनाने पर काम कर रहा है, उन्होंने बताया कि नकदी की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह है कि इसे काम करने के लिए नेटवर्क कनेक्टिविटी की आवश्यकता नहीं है। इस साल फरवरी में दास ने सीबीडीसी की ऑफलाइन और प्रोग्राम योग्यता सुविधाओं की घोषणा की।

बाबा बर्फानी के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं के लिए तैयार हो रहा यात्री निवास

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाबा बर्फानी के दर्शन के दिन बहुत ही करीब हैं। 29 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा। देश-विदेश से बहुत से यात्री बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके बाद श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भगवती नगर स्थित आधार शिविर यात्री निवास का मरम्मत का काम शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक पर्यटन विभाग द्वारा यह काम निर्माण विभाग को सौंप दिया है। इसी सप्ताह यात्री निवास में रंग-रोगन का काम शुरू हो जाएगा। पिछले वर्ष से ज्यादा इस बार बेहतर तैयारी की उम्मीद की जा रही है। पर्यटन विभाग जम्मू ने यात्री निवास के मरम्मत के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रशासन के अनुसार 10 जून तक यात्री निवास बनाकर तैयार हो जाएगा और फिर सुरक्षाबलों के हवाले कर दिया जाएगा। बता दें कि ये यात्री निवास दो मंजिला है और इसमें कम से कम 5 बड़े हाल हैं। इसके अलावा यहां पर अतिरिक्त जगह भी है, जहां 200 श्रद्धालु रात बिता सकते हैं।

भगवती नगर में स्थित यात्री निवास में यात्रियों के लिए हर तरह से बेहतर इंतजाम किए जाएंगे। साफ़-सफाई के लिए नगर निगम की टीमें हमेशा तैनात रहेंगी। गर्मी को ध्यान में रखकर ए.सी हाल भी हैं, ताकि भक्तों को भीषण गर्मी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा यहां पर भक्तों के लिए गद्दा या सिरहाना भी उपलब्ध होगा। पानी और बिजली एक अहम हिस्सा होते हैं। इस तरह की परेशानियों से बचने के लिए भवन के अंदर ही एक टयूबवेल बनाया गया है

क्या यूक्रेन के मामले में पश्चिमी देशों से सीधे भिड़ जाएगा रुस

पुतिन की हालिया बयान से लग रहा

मास्को (ईएमएस)। रूस ने कहा कि यूक्रेन के साथ युद्ध में करीब से शामिल होने की संभावनाओं को लेकर पश्चिमी देशों की टिप्पणियों से बढ़े तनाव के बीच वह युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर योजना बना रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पांचवे कार्यालय की शुरुआत से पहले यह घोषणा की गई। यह घोषणा क्रेमलिन द्वारा यूक्रेन में युद्ध के बारे में वरिष्ठ पश्चिमी अधिकारियों की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद आई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह अभ्यास रूसी संघ के संबंध में कुछ पश्चिमी अधिकारियों के उत्तेजक बयानों और धमकियों के जवाब में है।

24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कीव को सैन्य समर्थन बढ़ाने से हतोत्साहित करने के लिए पश्चिमी देशों को मॉस्को की परमाणु ताकत के बारे में बार-बार याद दिलाया है। पुतिन ने रूस की रक्षा के लिए आवश्यक सभी साधनों का उपयोग करने की चेतावनी के जरिए मास्को के परमाणु शस्त्रागार की याद समय समय पर दिलाई है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि वह यूक्रेन में सेना भेजने से इंकार नहीं करते हैं और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड कैमरन ने कहा कि कीव की सेनाएं रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए ब्रिटिश लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करने में सक्षम होंगी। क्रेमलिन ने उन टिप्पणियों को खतरनाक बताया, जिससे रूस और नाटो के बीच तनाव बढ़ गया। युद्ध ने पहले ही मॉस्को और पश्चिम के बीच संबंधों पर काफी दबाव डाल दिया है।

गाजा के राफा इलाके में टैंक लेकर घुसे इजराइली सैनिक

मिस्त्र से सटे बॉर्डर पर कब्जा किया, 1 लाख फिलिस्तीनियों को निकाला जाएगा

तेलअवीव(ईएमएस)। हमास के सीजफायर समझौते स्वीकार करने के बाद मंगलवार को इजराइल की सेना टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्त्र से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। इजराइल ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 20 हमास लड़ाकों को मार गिराया। सैनिकों को इलाके में हमास की 3 सुरंगें मिली हैं।

हमास के साथ जंग में राफा इजराइली सेना के ऑपरेशन का आखिरी पड़ाव है। इजराइल ने इंटेलिजेंस के हवाले से दावा किया था कि हमास सीमा का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए करता है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने एक लाख फिलिस्तीनियों को इलाके से निकालने की बात कही है।

हमास ने सीजफायर कबूल किया लेकिन यह इजराइल को नामंजूर

इजराइल से जंग के 7 महीने बाद हमास ने मिस्त्र और कतर के सीजफायर के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। हमास ने सोमवार (6 मई) को इसे लेकर आधिकारिक बयान जारी किया। हमास के लीडर इस्माइल हानिए ने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी और मिस्त्र की खुफिया एजेंसी से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों से कहा कि वे इजराइल के साथ युद्धविराम के लिए उनकी शर्तों को स्वीकार कर रहे हैं। हमास ने कहा कि अब फैसला इजराइल के हाथ में है कि वह सीजफायर के लिए तैयार होता है या नहीं। हालांकि, इजराइल ने कहा है कि हमास जिन शर्तों पर तैयार हुआ उसे वो मंजूर नहीं है। इसके बाद इजराइल ने जंग के आखिरी फेज की शुरुआत करते हुए दक्षिणी गाजा के राफा पर हमले किए।

अमेरिका ने गोला-बारूद की सप्लाई रोकी

राफा में सैन्य अभियान की घोषणा करके नेतन्याहू ने एक बार फिर अमेरिका को नाराज कर दिया है। यही कारण है कि 7 अक्टूबर के हमले के बाद पहली बार अमेरिका ने इजराइल भेजे जाने वाले गोला- बारूद की खेप रोक दी है। इस खेप में मिसाइल समेत जंग से जुड़े कई सामान थे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने नेतन्याहू से कहा था कि राफा में सैन्य अभियान से अमेरिका-इजराइल के संबंधों पर गलत असर पड़ेगा।

समझौता करवाने में जुटे हैं मिस्त्र, कतर और अमेरिका

मिस्त्र, कतर और अमेरिका साथ मिलकर हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम करवाने की कोशिश कर रहे हैं। तीनों देशों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को प्रपोजल पर बातचीत करने के लिए एक हाई-लेवल डेलिगेशन इजराइल भेजा था। इससे पहले कतर और मिस्त्र की मध्यस्थता के बाद नवंबर में इजराइल-हमास के बीच पहली बार 4 दिन के लिए युद्धविराम हुआ था। इस दौरान हमास ने 112 बंधकों को रिहा किया था। वहीं इजराइल ने भी जेल में बंद 240 से ज्यादा फिलिस्तिनियों को छोड़ा था।

इजराइल ने हमास को दिया था आखिरी मौका

6 महीने की जंग में इजराइल ने राफा छोडक़र पूरे गाजा पर कब्जा कर लिया है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने हमास को समझौते का आखिरी मौका दिया था। इजराइल ने कहा था कि अगर हमास समझौता स्वीकार नहीं करता है, इजराइल राफा पर बड़ा हमला करेगा। इसी कारण मिस्त्र का डेलिगेशन दोनों पक्षों में समझौते करवाने को कोशिश कर रहा है। पिछले दिनों रिपोर्ट आई थी कि मिस्त्र बंधकों को छोडऩे के लिए हमास पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है। दरअसल राफा मिस्त्र की बॉर्डर के पास है। इसलिए उसे डर है कि अगर इजराइली सेना राफा पर हमला करेगी, तो बड़ी संख्या में शरणार्थी मिस्त्र में घुसने की कोशिश करेंगे। इसी से बचने के लिए इजिप्ट का एक डेलिगेशन इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते करवाने की कोशिश में जुटा है। इस समय 10 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनियों ने राफा शहर में पनाह ली हुई है।

सुनीता विलियम्स की तीसरी अंतरिक्ष यात्रा अंतिम समय में टली!

- परीक्षण उड़ान को तकनीकी समस्या आने से रद्द करना पड़ा

केप कनेवरल (ईएमएस)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स की तीसरी अंतरिक्ष यात्रा आ?खिरी समय में टालनी पड़ी है। बताया जा रहा है ?कि वह बोइंग के नए स्टारलाइनर स्पेस कैप्सूल के साथ अंतरिक्ष में जाने वाले पहली चालक दल की हिस्सा थी। हालांकि इस परीक्षण उड़ान को तकनीकी समस्या की वजह से मंगलवार को रद्द करना पड़ा। रॉकेट के दूसरे चरण में एक वाल्व के साथ समस्या के कारण स्थगन की घोषणा नासा के लाइव वेबकास्ट के दौरान की गई थी। बोइंग स्टारलाइनर को भारतीय समय के अनुसार सुबह 8.04 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल में कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरने के लिए निर्धारित किया गया था। दो सदस्यीय दल- नासा के 61 वर्षीय अंतरिक्ष यात्री बैरी विल्मोर और 58 साल की सुनीता विलियम्स- को प्रक्षेपण गतिविधियों को सस्पेंड करने से लगभग एक घंटे पहले अंतरिक्ष यान में अपनी सीटों पर बांध दिया गया था। दूसरे लॉन्च प्रयास की प्रतीक्षा करने के लिए तकनीशियनों द्वारा कैप्सूल से उनकी सहायता की जाएगी। दोनों को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से यूनाइटेड लॉन्च एलायंस एटलस-वी रॉकेट के जरिये लॉन्च करना था, जिसकी लिफ्ट ऑफ मंगलवार को सुबह 8.04 बजे निर्धारित थी। विलियम्स, जो लगभग एक दशक से वाणिज्यिक चालक दल की उड़ान के लिए कतार में इंतजार कर रही थीं, को अंतरिक्ष यान विकास में उनके व्यापक अनुभव के कारण शुरुआत में वर्ष 2015 में यह अभियान सौंपा गया था। बाद में उन्हें 2022 में सीएफटी मिशन के लिए नियुक्त किया गया। मिशन के लिए अगली उपलब्ध लॉन्च विंडो मंगलवार रात है, लेकिन दूसरा लिफ्टऑफ़ प्रयास कब किया जाएगा, इसके बारे में तुरंत कोई निर्णय नहीं लिया गया। लगभग 10-दिवसीय मिशन के दौरान, विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर की प्रणालियों और क्षमताओं का गहन परीक्षण करेंगे, जिससे अंतरिक्ष यान के लिए अंतरिक्ष स्टेशन के लिए परिचालन चालक दल की उड़ानें शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस क्रू फ़्लाइट टेस्ट के सफल समापन से स्टारलाइनर आईएसएस से कर्मियों को नियमित रूप से लाने और ले जाने के एक कदम और करीब आ जाएगा, जिससे अंतरिक्ष में संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वतंत्र पहुंच और मजबूत हो जाएगी।

झूठे रेप केस में 4 साल बाद आरोपी रिहा, लड़की को मिली उतने ही साल की सजा

बरेली (ईएमएस)। यूपी के बरेली में महिलाओं के अत्याचार में फंसे एक लड़के को बिना किसी कारण बिना किसी गलती के 4 साल की जेल की सजा मिली। युवती इस पूरे षडयंत्र के तहत युवक को फंसाया और अदालत में सुनवाई के दौरान अपनी गवाही से मुकर गई तो इस मामले का खुलासा हुआ।

हकीकत जब अदालत के सामने आई तो कोर्ट फैसला सुनाते हुए लड़के को दोष मुक्त किया और लड़की को भी उतनी ही सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि जितने दिन की लड़के ने सजा काटी है, उतने ही दिन की सजा लड़की को भी जेल में काटनी होगी। इसके अलावा अदालत ने आर्थिक जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा है यदि लड़का जेल के बाहर रहता तो काम मजदूरी करते हुए इतने समय में 5,88000 से अधिक रुपए कमा लेता। इसलिए लकड़ी से यह रकम वसूल करके लडके को दी जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो लड़की को 6 महीने की अतिरिक्त सजा भी होगी।

बताया जा रहा है कि 2 सितंबर, 2019 को बारादरी थाने में लडके पर बेटी के अपहरण व दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने लड़के को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस पूरे मामले में लड़की ने लड़के पर नशीला प्रसाद खिलाने और दिल्ली ले जाकर कमरे में बंद कर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था।

जानकारी के अनुसार इस मामले में अदालत में गवाही के दौरान लड़की मुकर गई, जिसके बाद अदालत ने लड़के को दोषमुक्त करार दिया। इस पूरे मामले में झूठी गवाही देने के लिए लड़की पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस घटना मे अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा इस तरह की महिलाओं के कृत्य से वास्तविक पीड़िताओं को नुकसान उठाना पड़ता है। अदालत ने कहा कि यह समाज के लिए बेहद गंभीर स्थिति है। अपने मकसद की पूर्ति के लिए पुलिस व कोर्ट को माध्यम बनाना आपत्तिजनक है। आगे कहा कि अनुचित लाभ के लिए महिलाओं को पुरुषों के हितों पर आघात करने की छूट नहीं दी जा सकती।

अदालत ने कहा कि यह मुकदमा उन महिलाओं के लिए नजीर बनेगा, जो पुरुषों से वसूली के लिए झूठे मुकदमे लिखाती हैं।

रूस की सेना अब परमाणु हथियारों के साथ युद्धाभ्यास करेगी

नाटो सैनिकों की यूक्रेन में तैनाती की आशंकाओं के बीच पुतिन का फैसला

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सेना को परमाणु हथियारों की ड्रिल करने का आदेश दिया है। इस युद्धाभ्यास में नेवी और यूक्रेनी सीमा के पास तैनात सैनिकों को भी शामिल करने को कहा गया है। अलजजीरा के मुताबिक, पुतिन ने यह फैसला तब लिया जब नाटो और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए सेना भेजने की बात कही थी।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपेन की तैनाती पर फोकस किया जाएगा। हालांकि, यह ड्रिल कब होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले हफ्ते कहा था कि अगर यूक्रेन ने मदद मांगी तो वे अपने सैनिकों को वहां भेज सकते हैं। इसके ठीक एक दिन बाद ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून ने कहा था कि यूक्रेन अगर चाहे तो वह रूस पर हमला करने के लिए ब्रिटिश हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। रूस ने दोनों बयानों का विरोध किया था।

अमेरिका ने यूक्रेन में सैनिक भेजे तो जंग बढ़ेगी

पुतिन ने करीब 2 महीने पहले एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिका को परमाणु हमले की चेतावनी दी थी। पुतिन ने कहा था कि अगर अमेरिका अपने सैनिकों को यूक्रेन में भेजेगा तो इससे जंग और बढ़ सकती है। दरअसल, रूसी न्यूज एजेंसी ने पुतिन ने सवाल पूछा था कि क्या रूस परमाणु जंग के लिए तैयार है। इस पर रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि हम फिलहाल परमाणु युद्ध की तरफ नहीं बढ़ रहे हैं। हमें अब तक इसकी जरूरत नहीं महसूस हुई। लेकिन अगर मिलिट्री या तकनीक के आधार पर कहा जाए तो हम इसके लिए तैयार हैं। अमेरिका इस बात को समझता है कि अगर उसने रूसी या यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को भेजा तो रूस इस कदम को हस्तक्षेप के रूप में लेगा। इसके अलावा रूस के अलग-अलग मंत्री और अधिकारी कई बार यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी भी दे चुके हैं।

रूस ने बेलारूस में तैनात किए परमाणु हथियार

यूक्रेन के साथ 3 साल से जारी जंग के बीच पिछले साल 25 मार्च को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बेलारूस में रूस के परमाणु हथियार तैनात करने की घोषणा की थी। पुतिन ने कहा था कि बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको काफी समय से परमाणु हथियारों को उनके देश में तैनात करने की मांग कर रहे हैं। बेलारूस के साथ रूस के करीबी सैन्य संबंध हैं। पुतिन ने कहा था कि रूसी परमाणु हथियारों की बेलारूस में तैनाती का कारण ब्रिटेन का यूक्रेन को आर्मर पियर्सिंग शेल मुहैया कराना बताया था, जिसमें यूरेनियम होता है। पुतिन का कहना था कि परमाणु हथियारों को बेलारूस में रख कर रूस वही कर रहा है जो अमेरिका ने कई दशकों से बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स और तुर्की में परमाणु हथियारों को रख कर किया।

अमेरिका और ईरान के बीच फंसा पाकिस्तान.....गले की फांस बनी गैस पाइपलाइन

कराची (ईएमएस)। ईरान और पाकिस्तान के बीच दशकों पहले प्रस्तावित गैस पाइपलाइन अभी भी अधर में लटकी हुई है। हाल ही में अमेरिका ने पाकिस्तान को चेतावनी देकर कहा था कि अगर ईरान के साथ कोई भी डील होती है, तब कंगाल देश को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका की इस धमकी के बाद ईरान का भी बयान सामने आया है। ईरान ने कहा है कि पाकिस्तान और ईरान प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव की वजह से इसमें देरी हो रही है।

ईरान के महावाणिज्य दूत हसन नौरानी ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार प्रोजेक्ट को पूरा करने में तत्परता दिखा रही है। उन्होंने कहा, ईरान और पाकिस्तान प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव देरी की वजह बन रहा है। नौरान ने कहा कि ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट बेहद अहम प्रोजेक्ट है। ईरान और पाकिस्तान साल 2010 में ईरान के गैस फील्ड से पाकिस्तान के बलूचिस्तान और सिंध प्रांत तक गैस पाइपलाइन बिछाने पर सहमत हुए थे। समझौते में तय हुआ था कि 1,900 किलोमीटर की पाइपलाइन की मदद से ईरान प्रतिदिन 1 अरब क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस 25 सालों तक पाकिस्तान को देगा। ईरान ने अपने क्षेत्र में पाइपलाइन बिछा ली है। उसका कहना है कि अपने क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने में करीब 2 अरब डॉलर का खर्च आया है। लेकिन पाकिस्तान अपने क्षेत्र में पाइपलाइन नहीं बिछा पा रहा है। पाकिस्तान को डर है, कि अगर इस प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ता है, तब कंगाल पाकिस्तान को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। साल 2014 में पाकिस्तान ने ईरान से मांग की थी कि वहां पाइपलाइन बिछाने के लिए 10 सालों का वक्त दे लेकिन इस साल सितंबर के महीने में ये 10 साल की अवधि भी समाप्त हो जाएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसके बाद ईरान पाकिस्तान को पाइपलाइन में देरी के लिए अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में घसीट सकता है।

चिंतित भारत....चीन और बांग्लादेश के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

बीजिंग (ईएमएस)। चीन और बांग्लादेश इस महीने भारत के पड़ोस में अपना पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं। चीन-बांग्लादेश गोल्डन फ्रेंडशिप 2024 संयुक्त अभ्यास की घोषणा कर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वू कियान ने कहा कि यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आतंकवाद विरोधी अभियानों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अभ्यास में दोनों देश बसों में बंधकों को छुड़ाने और आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने जैसे मिशन को अंजाम देने वाले है। इस अभ्यास का ऐलान बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के चीन दौरे से पहले किया गया है। हालांकि, हसीना चीन जाने से पहले भारत की यात्रा भी करने वाली हैं। भारत ने पहले से ही बांग्लादेश के चीन के साथ बढ़ते सैन्य संबंधों पर नजर बनाए रखी है।

चीन और बांग्लादेश के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं। बीजिंग ने बांग्लादेश में विभिन्न परियोजनाओं में 25 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जो पाकिस्तान के बाद किसी दक्षिण एशियाई देश में दूसरा सबसे बड़ा निवेश है। चीन ने बांग्लादेश में पुलों, सड़कों, रेलवे ट्रैक, हवाई अड्डों और बिजली संयंत्रों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि बांग्लादेश के उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चीन में शून्य शुल्क लगता है। इसके अलावा, चीन, बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण सैन्य सहयोगी बनकर उभरा है। चीन ने बांग्लादेश नौसेना को 2016 में 205 मिलियन डॉलर की रियायती कीमत पर दो पुरानी पनडुब्बियां प्रदान की है। इसके अलावा, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पिछले साल 1.21 बिलियन डॉलर के चीन कर्ज से निर्मित पनडुब्बी बेस का उद्घाटन किया था। बंगाल की खाड़ी के तट पर कॉक्स बाजार में स्थित इस बेस में एक साथ छह पनडुब्बियां और आठ युद्धपोत रखे जा सकते हैं। बांग्लादेश के साथ चीन के मजबूत संबंध, विशेष रूप से नौसैनिक सहयोग, 2002 के रक्षा सहयोग समझौते से उपजे हैं, जिसमें सैन्य प्रशिक्षण और रक्षा आपूर्ति शामिल है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगामी चीन-बांग्लादेश संयुक्त सैन्य अभ्यास पर कहा, हम अपने पड़ोस और उसके बाहर होने वाले सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखते हैं, जो हमारे हितों, आर्थिक और सुरक्षा हितों को प्रभावित करते हैं और हम उसके अनुसार उचित कदम उठाते हैं। हालांकि बांग्लादेश और भारत ने 2009 और 2023 के बीच 11 सैन्य अभ्यास आयोजित किए हैं। इसके बावजूद चीन-बांग्लादेश अभ्यास ने बांग्लादेश और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर उनके प्रभाव पर कई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

गुजरात में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चुनाव, 55.22 प्रतिशत वोटिंग, वलसाड में सबसे ज्यादा अमरेली में सबसे कम

- गुजरात विधानसभा की 5 सीटों पर उपचुनाव के लिए 56.56 प्रतिशत मतदान

अहमदाबाद (ईएमएस)गुजरात में लोकसभा की 25 सीटों पर सामान्य चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गईं शाम 5 बजे तक गुजरात की 25 लोकसभा सीटों के लिए 55.52 प्रतिशत मतदान हुआ है जबकि गुजरात विधानसभा की 5 सीटों के उपचुनाव में 56.56 प्रतिशत मतदान हुआ अंतिम एक घंटे समेत मतदान के फाइनल आंकड़े रात 12 बजे तक जारी किए जाएंगे मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी भारती ने बताया कि राज्य के 25 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के 49140 में से 1820 मतदान केन्द्रों में 2 बीयूएस का उपयोग किया गया था मतदान के दौरान शाम पांच बजे तक 116 यानी 0.23 प्रतिशत बीयू, 114 यानी 0.23 प्रतिशत सीयू और 383 यानी 0.78 प्रतिशत वीवीपैट बदले गए। सभी जिलों में उस क्षेत्र के प्रभारी जोनल अधिकारी के पास रिजर्व मशीन सेट उपलब्ध रखे गए थे। सभी जिलों में उस क्षेत्र के प्रभारी जोनल अधिकारी के पास रिजर्व मशीन सेट उपलब्ध रखे गए थे। जहां भी छोटी-मोटी दिक्कतें आती हैं, वहां ईवीएम की बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट या वीवीपैट यूनिट को तुरंत बदल दिया गया है 7 मई को मतदान के दौरान भारत निर्वाचन आयोग को 8 अलर्ट प्राप्त हुए। जिसमें ईवीएम पर 3, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर 1 और 4 अन्य अलर्ट थे। मतदान दिवस पर सी-विजिल के माध्यम से कुल 186 शिकायतें प्राप्त हुईं तथा आचार संहिता प्रारंभ होने से मतदान पूर्व दिवस तक कुल 5,118 समेत कुल 5,315 शिकायतें प्राप्त हुईं। राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल पर मतदान के दिन 759 शिकायतें प्राप्त हुईं और आचार संहिता की अवधि शुरू होने से मतदान पूर्व दिन तक 15,581, अब तक कुल 16,340 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में नियंत्रण कक्ष सहित कुल 92 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें ईवीएम से संबंधित 11, आचार संहिता से संबंधित 21 और फर्जी मतदान, कानून व्यवस्था, भीड़ आदि से संबंधित 18 शिकायतें शामिल हैं। अन्य माध्यमों से अब तक कुल 2,476 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 6 मई तक 2,384 शिकायतें प्राप्त हुईं। इस प्रकार कुल 24,131 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक भरूच के केसर, सूरत के सनधारा और बनासकांठा के बखरी गांव के ग्रामीणों ने वोटिंग का पूरी तरह से बहिष्कार किया है जबकि मंगरोल के भटगाम और बालासिनोर के बोडोली और पुंजारा गांवों में आंशिक बहिष्कार की जानकारी मिली है। पारदर्शी चुनाव कराने के संकल्प के साथ राज्य के लगभग 25,000 मतदान केंद्रों से वेबकास्टिंग की गई। जिन मतदान केंद्रों की शिकायतें मिलीं, उनका वेब कास्टिंग के जरिए क्रॉस वेरिफिकेशन भी किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी. भारती ने मतदान कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि लगभग 40 से 41 डिग्री की गर्मी में भी पूरी लगन से अपनी ड्यूटी करने के लिए वह मतदान कर्मियों और उनके परिवारों के प्रति आभार व्यक्त करती हैं। उन्होंने प्रदेश में कुछ दुखद घटनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राजुला में एक कर्मचारी को दुर्घटना में गंभीर चोटें आई हैं जबकि जाफराबाद तहसील में एक कर्मचारी की मौत हो गई है और छोटाउदेपुर में एक बाइक दुर्घटना में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शांतिपूर्ण बड़े पैमाने पर मतदान के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया

गांधीनगर 07मई:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में मंगलवार को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आयोजित मतदान में उत्साहपूर्वक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में बड़े पैमाने पर मतदान करने के लिए राज्य के सभी मतदान नागरिकों का आभार व्यक्त किया है।

श्री पटेल ने भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा समग्र चुनाव प्रक्रिया के सरल संचालन के लिए किए गए सुदृढ़ आयोजन के लिए भी आयोग एवं राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े राज्य सरकार के सम्बद्ध विभागों, पुलिस प्रशासन तथा केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों सहित चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा की भी प्रशंसा की है।

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र के इस चुनावी महापर्व को उमंग पर्व के रूप में मनाने के लिए समग्र राज्य की जनता को अभिनंदन दिया।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद के राणीप में डाला वोट, लोगों से रिकार्ड संख्या में मतदान करने की अपील की

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार की सुबह अहमदाबाद के राणीप क्षेत्र की निशांत स्कूल में मतदान किया मतदान के बाद पीएम मोदी ने गुजरात समेत देश के लोगों से रिकार्ड मतदान करने की अपील की गुजरात की 26 में से 25 लोकसभा सीटों पर आज वोटिंग हो रही है मतदान शुरू होते ही दिग्गज नेताओं ने परिवार समेत अपने मताधिकार का उपयोग किया पीएम मोदी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ अहमदाबाद के राणीप इलाके की निशांत स्कूल में मतदान करने पहुंचे उस वक्त रास्ते में दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ पीएम मोदी की एक झलक पाने को बेताब दिखीं सुबह करीब 6 बजे से खड़े लोगों का अभिवादन करते हुए पीएम मोदी मतदान केन्द्र पहुंचे मतदान केन्द्र के बाहर ही पीएम मोदी की अपने बड़े भाई प्रहलाद मोदी से मुलाकात हुई पीएम मोदी ने प्रहलाद मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लिए और वोट डालने केन्द्र के भीतर चले गए मतदान के बाद पीएम मोदी ने कई बच्चों समेत लोगों को ओटोग्राफ दिये भीड़ में खड़ी एक महिला ने पीएम मोदी को राखी भी बांधी भारी भीड़ के बीच पीएम मोदी ने एक बच्चे को गोद में ले लिया अहमदाबाद में मतदान के बाद पीएम मोदी अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए रवाना हो गए वोटिंग के दिन पीएम मोदी ट्वीट कर देश की जनता को संदेश दिया पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा 'आज हो रहे चुनाव के तीसरे चरण में रिकार्ड संख्या में मतदान कर अपने मताधिकार का उपयोग करने का अनुरोध करता हूं लोकतंत्र के इस महापर्व में आपकी सक्रिय भागीदारी निश्चितरूप से चुनाव को अधिक गतिशील बनाएगी'

राज्य के कई गांवों में मतदान के बहिष्कार के चलते पॉलिंग बूथों पर सन्नाटा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लोकसभा की 25 सीटों पर वोटिंग के बीच कई गांवों से मतदान के बहिष्कार की खबर सामने आई हैं अपनी मांगों और समस्याओं का समाधान नहीं होने की वजह से कई गांवों के लोग वोट डालने बूथ पर नहीं पहुंच रहे पाटण, अमरेली और सूरत जिले के गांवों से ऐसी कुछ खबरें सामने आई हैं पाटण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के भाखरी गांव के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया है बताया जाता है कि भाखरी गांव में सुबह से एक भी मतदाता ने वोट नहीं डाला गांव में कुल 350 वोटरों के बीच एक बूथ है ग्राम पंचायत विभाजन और सड़कों के मुद्दे पर भाखरी गांव के लोगों ने मतदान के बहिष्कार का फैसला किया है वोटिंग का विरोध कर रहे भाखरी गांव के लोगों को प्रशासन समझाने का प्रयास कर रहा है वहीं अमरेली की जेसर तहसील के रबारिका गांव में मतदान के बहिष्कार की खबर सामने आई है रबारिका गांव में सड़क कार्य और गांव को सावरकुंडला में शामिल करने के अलावा सौनी योजना के पानी की मांग पूरी नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया है जिसकी वजह से एक भी वोटर मतदान केन्द्र पर नहीं पहुंचा रबारिका गांव के मतदाताओं को अमरेली जिला प्रशासन वोटिंग के लिए मनाने का प्रयास कर रहा है दक्षिण गुजरात के एक गांव से भी मतदान के बहिष्कार करने की खबर सामने आई है सूरत जिले की मांगरोल तहसील के सणधरा गांव के लोगों ने कई समस्याओं को लेकर चुनाव का बहिष्कार का फैसला किया है सुबह से किसी मतदाता के बाहर नहीं निकलने से पोलिंग बूथ पर सन्नाटा पसरा है 500 से ज्यादा की आबादी वाले गांव में करीबन 300 जितने वोटर हैं गांव में बस स्टैन्ड का अभाव और सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने की वजह से स्थानीय लोग वोट नहीं डाल रहे राज्य में ऐसे कई गांव हैं जहां के लोग अपनी समस्याओं को लेकर मतदान नहीं कर रहे

गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल का मतदान बंद कराने का भाजपा नेता पर आरोप

- अमित शाह के भगवा पटका पहनकर मतदान करने पर भी उठाए सवाल, सभी के लिए नियम एक समान होने चाहिए

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के अंतर्गत 25 सीटों पर मतदान चल रहा है मतदान के बीच गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने भाजपा के एक नेता पर वासण गांव स्थित पोलिंग बूथ पर मतदान बंद कराने का आरोप लगाया है गोहिल ने कहा कि गांधीनगर के वासण गांव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान होने के चलते वोटिंग प्रक्रिया रुकवा दी वासण गांव में रूम नंबर 3 में अनाधिकृत तौर पर भाजपा विधायक के पति ने मतदान बंद करवाया है निर्वाचन आयोग के इस संदर्भ में तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भगवा पटका पहनकर मतदान करने पर भी शक्तिसिंह गोहिल ने सवाल उठाए उन्होंने आरोप लगाया कि अमित शाह ने भगवा पटका पहनकर मतदान किया हैं अगर अमित शाह भगवा पटका पहनकर वोटिंग कर सकते हैं तो मैं भी कांग्रेस का पटका पहनकर मतदान करूंगा उन्होंने कहा कि सभी के लिए नियम एक समान होने चाहिए शक्तिसिंह गोहिल ने पोलिंग एजन्ट द्वारा भाजपा के सिम्बोलवाली पेन का उपयोग करने पर भी निर्वाचन आयोग के समक्ष विरोध दर्शाया है उन्होंने सवाल उठाया कि पोलिंग एजन्ट भाजपा के चुनाव चिह्न कमल की तस्वीर वाली पेन का उपयोग कैसे कर सकते हैं? गोहिल ने निर्वाचन आयोग से इस मामले में तुरंत कार्यवाही की मांग की इसके अलावा कांग्रेस ने चुनाव आयोग से अहमदाबाद के एक पोलिंग बूथ पर अनियमितता की निर्वाचन आयोग से शिकायत की है अहमदाबाद के मणिनगर के बूथ नंबर 231 और 232 में अनियमितता की शिकायत की गई है आरोप लगाया गया है कि भाजपा के नगर पार्षद भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए वोटरों को डरा-धमका रहे हैं

गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने गुजरात के मतदाताओं के प्रति जताया आभार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों पर मतदान खत्म होने के बाद मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है कांग्रेस उम्मीदवारों को जो प्यार, समर्थन और आशीर्वाद दिया है, उसके लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से सभी को धन्यवाद देता हूं उन्होंने कहा कि गुजरात के मतदाताओं ने परिवर्तन और न्याय के लिए हुए चुनाव में अपने मताधिकार का उपयोग किया है। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान गुजरात की जनता ने कांग्रेस के उम्मीदवारों को भारी जनसमर्थन दिया और आज भी मतदान के दौरान युवाओं, महिलाओं और विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को उत्साहपूर्वक सुबह से ही मतदान केंद्रों की कतारों में शामिल होते देखा गया। कांग्रेस द्वारा पांच न्याय और पच्चीस गारंटी जिनमें युवाओं को पहली नौकरी, एक लाख रुपये की अप्रेंटिसशिप, 30 लाख का सरकारी भर्ती कैलेंडर, श्रमिकों को 25 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा, बीमा योजना, किसानों की कर्ज माफी, मूल्य समर्थन (एमएसपी) शामिल है। महिलाओं के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रुपये के कानूनी प्रावधान, न्याय में हिस्सेदारी सहित 25 गारंटी का पूरे देश और गुजरात के लोगों ने व्यापक समर्थन किया है। इसलिए गुजरात के मतदाताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने संविधान और देश बचाने के लिए मतदान करके लोकतंत्र को ताकत दी है। कांग्रेस ने मतदान के दौरान एक कर्मचारी और एक महिला मतदाता की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

इलेक्शन डयुटी के दौरान महिला कर्मचारी की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

अमरेली (ईएमएस) जाफरा में एक महिला कर्मचारी की इलेक्शन ड्यूटी के दौरान मौत हो गई जाफराबाद शहर की सागर स्कूल में तैनात कोशिकाबेन बाबरिया चुनावी प्रक्रिया के दौरान अचानक गिर पड़ीं कौशिकाबेन बाबरिया को तुरंत एम्बुलैंस 108 से राजुला के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार मिलने से पहले ही उनकी मौत हो गई महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल भेजा जाएगा कौशिकाबेन की हार्ट के कारण मौत होने का प्राथमिक अनुमान है असली वजह पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी

गुजरात में बीजेपी के विरुद्ध बीजेपी

इफ्को चेयरमैन के चुनाव में जयेश राददिया बनाम बिपिन पटेल

अहमदाबाद, ७ मई । गुजरात में लोकसभा चुनावों के बीच इफ्को डायरेक्टर के चुनाव को लेकर राजनीति गरमा गई है। इसकी वजह है कि बीजेपी के समर्थन वाले उम्मीदवार बिपिन पटेल उर्फ बिपिन गोता के खिलाफ पार्टी के ही विधायक और पूर्व मंत्री जयेश रादडिया ने ताल ठोंक दी है। रादडिया ने फॉर्म वापस नहीं लेने के कारण गुजरात में लोकसभा चुनावों से ज्यादा अब इफको डायरेक्टर के चुनाव को लेकर चर्चा हो रही है। जयेश रादडिया वर्तमान में राजकोट की जेतपुर सीट से बीजेपी के विधायक हैं। रादडिया इसके अलावा राजकोट जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन हैं तो वहीं बिपिन पटेल सहकारी क्षेत्र के अध्यक्ष हैं। इस चुनाव पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की सीधी नजर भी है। इफको डायरेक्टर के इस चुनाव के लिए कांग्रेस समर्थित विजय झटकिया ने उम्मीदवारी की थी, लेकिन सूरत पार्ट-२ होने के कारण उनका पर्चा रद्द हो गया। इफ्को डायरेक्टर के चुनाव के लिए ९ मई को वोटिंग होगी।

इस चुनाव में कुल १८२ मतदाता है। इनमें सौराष्ट्र का दबदबा है। अकेले राजकोट के ६८ वोट हैं। सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि बीजेपी से समर्थन लेकर लड़ रहे बिपिन पटेल चुनाव जीतते हैं या फिर रादडिया भारी पड़ते हैं। बीजेपी विधायक रादडिया के पर्चा वापस नहीं लेने से इफ्को डायरेक्टर के लिए चुनाव की नौबत आई है। सहकारी क्षेत्र में चर्चा यह है भी कि अगर बिपिन पटेल उर्फ गोता चुनाव जीतते हैं तो वह आगे वाले इफ्को के चेयरमैन या फिर उपाध्यक्ष भी बन सकते हैं। अभी इफ्को चेयरमैन के पद पर बीजेपी नेता दिलीप संघाणी काबिज हैं। दिलीप संघाणी गुजरात बीजेपी के कद्दावर नेता हैं। पाटीदार समाज से आने वाले रादडिया कांग्रेस से बीजेपी में आए दिग्गज नेता विट्ठलभाई रादडिया के बेटे हैं। राजकोट में उनका दबदबा है।

कांग्रेस के समर्थन वाले कैंडिडेट के प्रस्तावकों के पीछे हटने उनका नामांकन रद्द हो चुका है। ऐसे में इफ्को निदेशक के चुनाव बीजेपी बनाम बीजेपी वाली स्थिति बन गई है। ऐसे में चर्चा यह है कि बीजेपी के वोटों में बंटवारा हो सकता है। इस चुनाव में कुल तीन उम्मीदवार हैं इनमें जयेश रादडिया, पंकज पटेल और बिपिन पटेल का नाम शामिल है। रादडिया सौराष्ट्र के लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं। उनके पहले गुजरात में मंत्री बनने की चर्चा थी, लेकिन जब उन्हें भूपेंद्र पटेल मंत्रीमंडल में जगह नहीं मिला तो लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा सामने आई थी, लेकिन पार्टी ने पोरबंदर की सीट से मनसुख मांडविया को उतार दिया। ऐसे में रादडिया जहां एक तरफ मांडविया के लिए प्रचार करते रहे तो वहीं दूसरी तरफ इफ्को के चुनाव में पार्टी के खिलाफ खड़े हो गए। गुजरात के सहकारी क्षेत्र में बीजेपी का दबदबा है। इस विभाग के केंद्र में मंत्री अमित शाह हैं। ऐसे में इस चुनाव को लेकर राजनीति गरमा गई है। रादडिया पिछली निर्विरोध डायरेक्टर चुने गए थे। जयेश रादडिया की तरह पंकज पटेल भी बीजेपी के नेता हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर पर युवक ने लगाए गंभीर आरोप

बनासकांठा (ईएमएस) उत्तर गुजरात की बनासकांठा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर पर एक युवक ने जान से मार देने की धमकी का गंभीर आरोप लगाया है युवक ने बनासकांठा जिला पुलिस अधीक्षक से इस मामले में उचित कार्यवाही करने की मांग की है दूसरी ओर गेनीबेन ठाकोर का कहना है कि युवक सीआरपीएफ का फर्जी जवान बनकर मतदान केन्द्र के आसपास घूमकर लोगों को धमका रहा था इसलिए युवक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की दांता तहसील के धरेडा गांव की प्राथमिक शाला के मतदान केन्द्र के आसपास घूम रहे एक युवक को कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने पकड़ा था गेनीबेन ठाकोर ने आरोप लगाया कि युवक नकली सीआरपीएफ का जवान बनकर घूम रहा था युवक का नाम प्रकाश चौधरी है और पालनपुर का निवासी है दांता तहसील से प्रकाश चौधरी का कोई लेना-देना नहीं इसके बावजूद वह धरेडा प्राथमिक स्कूल के मतदान केन्द्र में घूम रहा था उसके पास से सीआरपीएफ की नेम प्लेट भी मिली है प्रकाश चौधरी सीआरपीएफ की फर्जी प्लेट लगाकर चौधरी समाज के युवा मतदाताओं को धमका रहा था गेनीबेन ठाकोर प्रकाश चौधरी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है दूसरी ओर प्रकाश चौधरी ने आरोप लगाया कि गेनीबेन ठाकोर उसे पकड़कर उसके साथ बुरी तरह मारपीट की साथ यह भी कहा कि आज तुझे यहां से ज़िंदा नहीं जाने देंगे और मारकर फेंक देंगे प्रकाश चौधरी ने बनासकांठा पुलिस अधीक्षक से मामले में उचित कार्यवाही करने की मांग की है

मतदान करने अमेरिका से गुजरात आई युवती, टिकट पर खर्च किए 3 लाख रुपए

बनासकांठा (ईएमएस) चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए निर्वाचन आयोग समेत विभिन्न संगठन जागृति अभियान चलाते हैं चुनाव के दिन मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके लिए सार्वजनिक अवकाश का ऐलान भी किया जाता है बावजूद इसके कई मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग नहीं करते ऐसे मतदाताओं को अमेरिका से केवल वोट डालने आई युवती से प्रेरणा लेनी चाहिए अपने एक वोट की अहमित को समझते हुए युवती अमेरिका से गुजरात आई टिकट पर तीन लाख रुपए खर्च करके युवती केवल वोट डालने के लिए गुजरात आई है बनासकांठा जिले के डीसा की मूल निवासी युवती ने आज सुबह शहर की नगर प्राथमिक स्कूल में अपने मताधिकार का उपयोग किया मतदान करने अमेरिका से आई इस युवती का पहले पोलिंग बूथ पर स्वागत किया गया

वादी को बंटवारे की मांग करते हुए मुकदमा दायर करने और उसे आगे बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है

कल्याणी फैमिली एचयूएफ नाम से कोई एचयूएफ नहीं है

वादी यह खुलासा करने में विफल रहे हैं कि 2014 का बंटवारा मुकदमा वर्तमान मुकदमे के समान विषय वस्तु से संबंधित है

मुकदमा अस्पष्ट है और इसमें किसी प्रकार का भौतिक विवरण नहीं है।

श्री कल्याणी ने अपने हलफनामे में कहा कि वादी (भानजा और भानजी, समीर जय हीरेमठ और पल्लवी स्वादि) को निर्दिष्ट कल्याणी फैमिली एचयूएफ के बंटवारे की मांग करने वाला मुकदमा दायर करने और बनाए रखने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि वादी कल्याणी संयुक्त परिवार के सदस्य नहीं हैं और लागू कानून के अनुसार, वे कल्याणी संयुक्त परिवार में सहदायिक के रूप में स्थिति का दावा नहीं कर सकते हैं।

उनके अनुसार, उपरोक्त मुकदमा वादी पक्ष द्वारा दायर किया गया है, जो जन्म से हीरेमठ परिवार के सदस्य और हीरेमठ परिवार के एचयूएफ के सहदायिक/सदस्य हैं। इसलिए, वादी को निर्दिष्ट कल्याणी फैमिली एचयूएफ के बंटवारे के लिए मुकदमा दायर करने और उसे बनाए रखने का कोई अधिकार नहीं है।

'वादी कल्याणी संयुक्त परिवार के सदस्य नहीं हैं और लागू कानून के अनुसार, वे कल्याणी संयुक्त परिवार में सहदायिक के रूप में स्थिति का दावा नहीं कर सकते हैं। वादी और प्रतिवादी का कोई सामान्य पुरुष पूर्वज नहीं है। नतीजतन, वे कभी भी एक ही सहदायिकी का हिस्सा नहीं हो सकते। हलफनामे में कहा गया है कि वर्तमान मुकदमा और कुछ नहीं बल्कि वादी पक्ष द्वारा कथित कल्याणी परिवार एचयूएफ की संपत्ति और प्रॉपर्टी पर अधिकार हड़पने का प्रयास है।'

उनके भतीजे और भतीजी, समीर जय हीरेमठ और पल्लवी स्वादि द्वारा दायर मुकदमा, निर्दिष्ट कल्याणी हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के भीतर संपत्ति के बंटवारे की मांग करता है।

श्री कल्याणी के हलफनामे के अनुसार, वादी न तो सहदायिक हैं और न ही कथित कल्याणी परिवार एचयूएफ के सदस्य हैं, जैसा कि आरोप लगाया गया है। इसलिए, वादी पक्ष के पास कल्याणी परिवार के भीतर गठित किसी भी एचयूएफ के संबंध में बंटवारे के लिए कोई मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है। 'यह प्रस्तुत किया गया है कि वादी पक्ष के पास वर्तमान मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है और इसे केवल इसी आधार पर खारिज कर दिया जाना चाहिए।'

एनर्जी मिशन मशीनरीज की पब्लिक इश्यू से रु. 41.15 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 9 मई को खुलेगा

कंपनी रु. 131 से रु. 138 प्रति शेयर के प्राइज बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 29.82 लाख इक्विटी शेयर जारी करेगी; शेयर एनएसई के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे

अहमदाबाद, 6 मे 2024 – शीट मेटल मशीनरी की विविध रेंज के डिझाइन और निर्माण में अहमदाबाद स्थित अग्रणी कंपनी एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 41.15 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 9 मई को सब्सक्रीप्शन के लिए खुला है और 13 मई को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं को फंड देने के लिए किया जाएगा, जिसमें गुजरात के साणंद में मौजूदा मेन्युफेक्चरिंग यूनिट में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क, नए प्लान्ट और मशीनरी, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताएं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करना शामिल है। हेम सिक्योरिटिज लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1000 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1.38 लाख के निवेश के बराबर है। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक कोटा नेट ऑफर के 35 प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है, एचएनआई क्वोटा ऑफर के 15 प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है और क्यूआईबी हिस्सा नेट ऑफर के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं रखा गया है। मार्केट मेकर का हिस्सा 1.50 लाख इक्विटी शेयर रखा गया है।

आईपीओ में पब्लिक इश्यू के लिए रु. 131 से रु. 138 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइस बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 29.82 लाख इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है। रु. 41.15 करोड़ की इश्यू आय में से कंपनी की योजना रु. 6.86 करोड़ का उपयोग गुजरात के अहमदाबाद जिले के साणंद में स्थित मौजूदा विनिर्माण इकाई में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क के लिए, रु. 7.43 करोड़ नए प्लान्ट और मशीनरी की स्थापना के लिए, रु. 15 करोड़ कार्यशील पूंजी की जरूरतें के लिए करने की है।

एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) डीएनएस, एनसीएस और कन्वेन्शनल मेटल फोर्मिंग मशीनों का डिजाइन और निर्माण करती है जो औद्योगिक क्षेत्र की मेटल फेब्रिकेशन सॉल्यूशन्स की आवश्यकता को पूरा करती हैं। कंपनी की मेटल फोर्मिंग मशीनों की श्रृंखला में प्रेस ब्रेक मशीन, शियरिंग मशीन, प्लेट रोलिंग मशीन, आयरनवर्कर मशीन, हाइड्रोलिक प्रेस और बसबार बेंडिंग, कटिंग और पंचिंग मशीनें शामिल हैं। कंपनी की मशीनें विभिन्न उद्योगों में उपयोग की जाती हैं, जिनमें ऑटोमोटिव, स्टील, प्री-इंजीनियर्ड इमारतें, फर्नीचर, एचवीएसी, कृषि उपकरण, सड़क निर्माण उपकरण, लिफ्ट, फूड प्रोसेसिंग मशीनरी, मेटल वर्किंग वर्कशोप्स आदि शामिल हैं।

8 मई की जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस की गयी रिशेडयूल

जामनगर से 4 घंटा 35 मिनट लेट रवाना होगी

पैरींग रेक लेट होने के चलते 8 मई, 2024 को जामनगर से चलनेवाली ट्रेन नंबर 12477 जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस ट्रेन को रिशेड्यूल किया गया है। यह ट्रेन जामनगर से 8 मई, 2024 को अपने निर्धारित समय सुबह 08.15 बजे की जगह 4 घंटा 35 मिनट लेट यानि कि दोपहर में 12.50 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन आंशिक रूप से परिवर्तित मार्ग वाया अम्बाला छावनी-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-सरहिंद-साहनेवाल पर चलेगी। रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड का रु. 48.75 करोड़ का राइट्स इश्यू 8 मई, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 6 मे, 2024 - सोने के आभूषणों के प्रमुख निर्माताओं और हॉलसेलर्स में से एक आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड का (बीएसई - 'उध्र - 542579) रु. 48.75 करोड़ का राइट्स इश्यू 8 मई, 2024 को खुलेगा। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं, नए क्षेत्रों में प्रवेश और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं पूरी करने के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू रु. 5.85 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया जाता है जो 3 मई, 2024 को बंद शेयर मूल्य पर 57.45% की छूट दिखाता है। राइट्स इश्यू 27 मई, 2024 को बंद होगा।

आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशकदिनेश कुमार सोनी ने बताया कि, "कंपनी ने हाल के दिनों में उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने, विभिन्न बाजारों के लिए नई प्रोडक्ट लाइनें और कलेक्शन लॉन्च करने पर ध्यान देने के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल की है। हमारा लंबे समय के लिए फोकस टीम डेवलपमेंट में निवेश करना औरभारत की सबसे बड़ी बीटूबी प्रदर्शनियों में भाग लेना जारी रहेगा। इश्यू से होने वाली आय कंपनी की बैलेंस शीट को और मजबूत करेगी और इसकी विस्तार योजनाओं और निरंतर विकास पहलों को वित्त पोषित करने में मदद करेगी।"

कंपनी के बोर्ड ऑफ डिरेक्टर्स ने 10 अप्रैल, 2024 को पात्र इक्विटी शेयरधारकों को रु. 48.75 करोड़ से अधिक की राशि के लिए राइट्स इश्यू के माध्यम से इक्विटी शेयर जारी करने की मंज़ूरी दे दी। राइट्स इश्यू के बाद, कंपनी के कुल बकाया शेयर बढ़कर 33,33,14,666 इक्विटी शेयर हो जाने चाहिए, जो राइट्स इश्यू से पहले 24,99,86,000 इक्विटी शेयर थे।

सोने के आभूषणों के अग्रणी निर्माताओं और हॉलसेलर्स में से एक आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड28 वर्षों से अधिक समय से व्यवसाय में है और सोने के आभूषण उद्योग में अग्रणी रही है। कंपनी का अहमदाबाद में 14,000 वर्ग फुट में फैला एक मेन्युफेक्चरिंग यूनिट और बैंगलोर में एक ब्रान्च ऑफिस है।

इन गर्मियों में खाएं सेहतमंद स्नैक्स और त्वचा को बनाएं स्वस्थ

डॉ गीतिका मित्तल, त्वचा विशेषज्ञ और कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गर्मियों का असर अक्सर त्वचा के स्वास्थ्य पर पड़ता है ऐसे में इस मौसम में त्वचा की विशेष देखभाल करना ज़रूरी है। त्वचा विशेषज्ञ होने के नाते मैं यही सलाह दूंगी कि त्वचा की बाहरी देखभाल के साथ-साथ इसका भीतर से भी ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए संतुलित आहार का सेवन करें, अगर आप भीतर से स्वस्थ होंगे तो बाहर से भी खूबसूरत महसूस करेंगे। यहां हम ऐसे कुछ सुझाव लेकर आए हैं, जिन्हें अपनाकर आप बदलते मौसम में भी त्वचा की अच्छी देखभाल कर सकते हैं।

मुट्ठी भर बादाम खाएं: बादाम पोषण से भरपूर मेवा है। इनमें तकरीबन 15 पोषक तत्व जैसे मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, ज़िंक आदि होते हैं। बादाम में सेहतमंद वसा और विटामिन ई (एल्फा-टोकोफेरोल) होते हैं, जो एंटी-एजिंग के गुणों से भरपूर और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि आप इन्हें कई तरीकों से अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। बादाम को रोस्ट करके खाएं, अपनी स्मूदी या ओटमील में मिलाएं, सलाद के साथ खाएं और ऐसे कई तरीके हैं, जिनके द्वारा आप बादाम को अपने रोज़मर्रा के आहार में शामिल कर सकते हैं।

विक्रम सोलर ने गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड के साथ 250 मेगावाट मॉड्यूल आपूर्ति का महत्वपूर्ण सौदा हासिल किया

अहमदाबाद : विक्रम सोलर, भारतीय सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी को गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड (जीआईपीसीएल) से 250 मेगावाट का ऑर्डर जीतने की महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा करते हुए बेहद ख़ुशी हो रही है। कंपनी को सफलतापूर्वक लेटर ऑफ इंटेंट (LoI) मिला है, जो भारत की सौर ऊर्जा क्षमताओं को बढ़ाने और देश के महत्वाकांक्षी सौर उद्देश्यों की सहायता करने में एक बड़ी प्रगति का संकेत है।

इस समझौते के तहत आपूर्ति किए जाने वाले मॉड्यूल मॉडल और निर्माताओं की स्वीकृत सूची (ALMM) के तहत आते हैं, जिसमें उच्च दक्षता के पैनल होते हैं। यह सहयोग गुजरात में सौर ऊर्जा के बुनियादी ढांचे के विकास को तेज़ी से बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

विक्रम सोलर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री ज्ञानेश चौधरी ने पार्टनरशिप के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'हम इस ऑर्डर को सुरक्षित करके बेहद ख़ुश हैं, जो विक्रम सोलर और उद्योग के बीच मज़बूत और स्थायी संबंध को मज़बूत करता है। नया समझौता यह रेखांकित करता है कि वे हमारी क्षमताओं में कितना विश्वास करते हैं और हमारी उत्कृष्टता के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं। हमारा ध्यान नवाचार, प्रदर्शन और ग्राहकों की संतुष्टि पर बराबर बना हुआ है। जैसे-जैसे भारत अपने हरित ऊर्जा उद्देश्यों की ओर आगे बढ़ रहा है, हम भविष्य की संभावनाओं के बारे में आशावादी हैं और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य को बदलने और टिकाऊ प्रथाओं में एक वैश्विक नेता के रूप में अपना कद बढ़ाने में एक संपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 ,9327086467 R.N.I. 63177/95